दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। मंगलवार 19 अगस्त-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 240 पेज-10 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

मानसून सत्र का 13वां दिन, संसद आज 11 बजे तक के लिए स्थगित

लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में विपक्ष का बिहार एसआईआर मुद्दे पर हंगामा

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का आज 13वां दिन था। राज्यसभा और लोकसभा को 7 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। पोर्ट, शिपिंग और जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने बुधवार को लोकसभा में मर्चेंट शिपिंग बिल, 2024 पेश किया। विपक्ष के हंगामे के बीच बिल पास हुआ।

इससे पहले गुरुवार सुबह दोनों सदन शुरू होते ही विपक्ष ने बिहार वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन मामले पर हंगामा शुरू कर दिया। वहीं, विपक्षी दलों के नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से मांग की है कि नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025 को संयुक्त संसदीय समिति को भेजा जाए।

वहीं, राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उप सभापति हरिवंश नारायण सिंह को लेटर लिखा है। जिसमें उन्होंने

राज्यसभा में बिहार एसआईआर पर चर्चा कराने की मांग की है।

बीते दिन राज्यसभा में मणिपुर में लागू राष्ट्रपति शासन की अवधि छह महीने और बढ़ाने का प्रस्ताव स्वीकार किया गया। वहीं, लोकसभा में गोवा राज्य के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व का पुनः समायोजन विधेयक, 2024 पारित किया गया।

12 दिनों में अब तक 2 दिन चर्चा हुई 21 जुलाई को शुरू हुए मानसून सत्र के बाद से संसदीय कार्यवाही करीब ठप रही है। बिहार में वोटरों के वेरिफिकेशन मामले पर विपक्षी पार्टियों ने हर दिन विरोध-प्रदर्शन किए। 11 दिनों के दौरान, सिर्फ 28 और 29 जुलाई को सदन में पूरे दिन की कार्यवाही चली। दोनों दिन, पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर दोनों सदनों में चर्चा हुई थी।

मानसून सत्र 32 दिन चलेगा, 18 बैठकें होंगी : संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक यानी कुल 32 दिन चलेगा। इस दौरान 18 बैठकें होंगी, 15 से ज्यादा बिल पेश होंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह के कारण 13-14 अगस्त को संसद की कार्यवाही नहीं होगी।

केंद्र सरकार मानसून सत्र में 8 नए बिल पेश करेगी, जबकि 7 लंबित बिलों पर चर्चा होगी। इनमें मणिपुर जीएसटी संशोधन बिल 2025, इनकम टैक्स बिल, नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल जैसे विधेयक शामिल हैं।

पहले दिन नए इनकम टैक्स बिल पर बनी संसदीय कमेटी की रिपोर्ट लोकसभा में पेश होगी। कमेटी ने 285 सुझाव दिए हैं। 622 पन्नों वाला बिल 6 दशक पुराने इनकम टैक्स एक्ट 1961 को रिप्लेस करेगा।

श्रद्धा-आस्था और समर्पण का इस तरह से दिया सुनील शर्मा ने पैगाम

स्वामी राम भद्राचार्य के चरणों में गिरकर कैबिनेट मंत्री ने किया साष्टांग दंडवत प्रणाम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा सरकार में मंत्री हैं, देश की सबसे बड़ी विधानसभा के विधायक हैं और राजनीति से अलग उनका एक चरित्र आध्यात्म का है, धर्म का है और ये चरित्र इतना दृढ़ है कि इसके लिये उन्होंने मुख्यमंत्री से विशेष अनुरोध कर अपने राजकीय विदेश दौरे को टाल दिया था। सावन का महीना और इस पूरे महीने में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा शिव भक्ति में लीन रहते हैं। प्रतिदिन नियम से घंटों पूजन-अर्चन करते हैं, सात्विक भोजन लेते हैं और ये प्रयास रहता है कि जीवनशैली पूरी तरह से सात्विक रहे। एक बार फिर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा का आस्था-श्रद्धा और आध्यात्म का अंदाज दिखाई दिया। वो स्वामी राम भद्राचार्य के चरणों में साष्टांग दण्डवत प्रणाम करते दिखाई दिये। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा का ये अंदाज कोई नया नहीं है और जिस तरह से राजनीति उनके जीवन का एक हिस्सा है उसी तरह से धर्म और आध्यात्म भी उनके जीवन का

एक हिस्सा है। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा कथाचावक के रूप में व्यास गद्दी पर आसन धारण कर घंटों आध्यात्म की महिमा को बता सकते हैं, वो धर्म के किसी भी विषय पर घंटों बोल सकते हैं। सोशल मीडिया पर उनका आध्यात्मिक आस्थमयी अंदाज दिखा और तो ये सभी के लिये एक कोतुहल भी था और कोतुहल इस बात को लेकर था कि पावर में आने के बाद सियासत का ईगो वाला टावर हाई हो जाता है , लेकिन लोग ये पहली बार देख रहे थे कि सर्वोच्च जीत और कैबिनेट मंत्री का ओहदा पाने के बाद भी कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा एक संत के चरणों में हैं। दैनिक करंट क्राइम ने कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा के इस अंदाज को लेकर बात की। तो उन्होंने बताया कि वह वृंदावन में भागवत कथा में गये थे। स्वामी राम भद्राचार्य वृंदावन में भागवत कथा कर रहे हैं और सुनील शर्मा ने कहा कि शोहरत, ओहदा तो अस्थायी है लेकिन आध्यात्म, आस्था और धर्म मनुष्य के व्यक्तित्व में स्थायी है। साधु संतों के चरण में ही धर्म की प्राप्ती होती है। उन्होंने बताया कि किसी महान संत के चरण रज मिलना ही अपने आप में एक आशीर्वाद है। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने फिर इस रहस्य का खुलासा किया कि इस साष्टांग प्रणाम के साथ-साथ दो घंटे बैठकर भागवत कथा भी सुनी है। सुनील शर्मा ये भी बताया कि स्वामी राम भद्राचार्य बड़े संत हैं, इसलिये उन्हें दण्डवत प्रणाम किया है और उन्होंने कहा कि मेरे गुरु बुलंदशहर में गंगा तट पर अवंतिका में रहते हैं, जिनका नाम ब्रह्मचारी महानंदजी महाराज है।

बरसात के बाद गड्ढे वाली सड़कें लोगों को जख्मी करने के लिए तैयार

कब भरेंगे सड़कों के गड्ढे, इस बात का है इंतजार

साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र, साइट-4

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सड़कों के गड्ढों को लेकर मुख्यमंत्री ने एलान कर दिया, लेकिन उसके बाद भी सड़कों पर गड्ढे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा था कि सड़कों पर गड्ढे नहीं होने चाहिए। मानसून की बारिश के बाद ये हालत ये हो गई है कि पता ही नहीं चल रहा है कि सड़कों पर गड्ढे हैं या गड्ढों के बीच में सड़क है। बड़ी बात ये है कि गड्ढों के मामले में सड़कों के कुछ अलग-अलग नियम अपनाएं। अगर बरसात से ही सड़कें टूटी हैं तो फिर मेरठ एक्सप्रेस-वे की सड़कें क्यों नहीं टूटी हैं। एनएच-9 की सड़कें क्यों नहीं टूटी हैं। इस्टर्न पेरीफेरल से लेकर आगरा एक्सप्रेसवे तक सड़कों में गड्ढे नहीं हैं। अगर अधिकारियों के तर्क भी मानें तो ये वो सड़कें हैं जहां हैवी वाहन चलते हैं और बरसात तो सभी जगह एक समान हुई है। फिर ऐसी क्या वजह है कि मोहल्ले की सड़कों को इस बारिश ने तोड़ा है। औद्योगिक क्षेत्र की सड़कों को गड्ढों की सौगात दे रही है। इस बारिश के बाद यूपी गेट से लेकर गोविंदपुरम तक सड़कों पर गड्ढे हैं। ये गड्ढे जानलेवा हो रहे हैं और अब सवाल ये भी है कि आखिर उन सड़कों पर गड्ढे क्यों पड़ जाते हैं जो सड़कें हर साल बनती हैं। हर चार महीने में बन रही सड़क क्यों टूट जाती है, मोहल्ले की गलियों से लेकर औद्योगिक क्षेत्र की सड़कों तक का बुरा हाल है। ये स्थिति वाहन चालकों के लिये जानलेवा बन रही है। अक्सर रात में सड़कों पर अंधेरा रहने के दौरान सड़कों के ये गड्ढे जानलेवा साबित हो रहे हैं। लोग अपने वाहनों सहित इनमें गिरकर घायल हो रहे हैं।

क्या नहीं दिखी सड़क पर गड्ढे भरने की मशीन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम की बात करें तो वो सड़कें भी बनवाता है और टूट जाने पर सड़कों के गड्ढे भी भरवाता है। नगर निगम के पास उच्च तकनीक वाली गड्ढा भरने की मशीन है। नगर निगम ने प्लास्टिक की सड़के बनाने की बात की थी। मानसून की बरसात के बाद शहर की कोई सड़क ऐसी नहीं बची है जो टूटी ना हो, जिस पर गड्ढे ना हों, लेकिन नगर निगम की गड्ढे भरने वाली मशीन किसी को भी सड़क पर सीन नहीं हुई है। सवाल यही उठ रहा है कि ये मशीन नगर निगम से बाहर निकली भी है या नहीं। गड्ढों से आखिर कब राहत मिलेग।

साइट-4 की सड़कों पर वाहनों की स्पीड रहती है दस से भी कम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। टूटी सड़कों की बात करें तो साहिबाबाद साइट-4 औद्योगिक क्षेत्र की हालत ज्यादा खराब है। ये इलाका यूपीसीडा के अंडर में आता है। यहां की तस्वीरें बता रही हैं कि पहले जल भराव एक समस्या था अब टूटी सड़कों ने नई मुसीबत पैदा कर दी है। स्थिति ये है कि गड्ढे में सड़क या सड़क में गड्ढे का अंतर समझ में नहीं आ रहा है। इसके चलते सबसे ज्यादा परेशानी वाहन चालकों को उठानी पड़ रही है। इंडिस्ट्रियल एरिया के लोग बताते हैं कि यहां पर हर कदम पर स्पीड ब्रेकर है। सड़कों के ये गड्ढे स्पीड ब्रेकर का काम कर रहे हैं और हालत ये है कि यहां वाहनों की गति दस किमी प्रति घंटे से भी कम है। क्योंकि सड़कों पर इतने गड्ढे हैं कि इससे ज्यादा की स्पीड की गुंजाइश नहीं है।

संजयनगर की रामलीला के महाभारत पर क्यों है भगवा गढ़ में खामोशी

विधायक, सांसद, राज्यमंत्री क्यों नहीं खत्म करा रहे हैं ये विवाद

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। रामलीला छोटी से है, लेकिन विवाद बड़ा है। छोटी-बड़ी रामलीलाएं गाजियाबाद में होती हैं, लेकिन इस रामलीला के विवाद का सियासी संदेश जाता है।

इसका कारण ये है कि इस रामलीला में इक्का-दुक्का समाजवादी हैं, लेकिन रणभूमि में इधर से लेकर उधर तक भगवा मुनादी है। भाजपा के पार्षद इस रामलीला में तलवार भांज रहे हैं, भाजपा के निवर्तमान नामित पार्षद भी पर्दे के पीछे से किसी रोल में बताए जाते हैं। भाजपा के महानगर मीडिया प्रभारी तो पहले अध्यक्ष बनें और फिर उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इस्तीफे वाली कहानी में भी नाराजगी का झोल है।

सबसे खास बात ये है कि रामलीला के इन बड़े चेहरों के अलावा छोटी सेना भी इस पार से लेकर उस पार तक भगवा है। बताया ये जाता है कि एक बार मुरादनगर विधायक अजीतपाल त्यागी ने दोनों पक्षों को समझाया था। अब कितना समझ में आया और कितना समझ में नहीं आया, लेकिन जो नतीजा सामने आया वो ये है कि रामलीला की महाभारत रुक नहीं रही। ये तब है कि जब यहां राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप रहते हैं।

ये विधानसभा अजीतपाल त्यागी की है और यहां के पार्षद भाजपा के हैं और वो ही रामलीला के अध्यक्ष हैं। अब रामलीला में फिर से एक तरफ भाजपा और दूसरी तरफ दूसरे दलों की गूंज सुनाई दे रही है। रामलीला कमेटी संजय नगर वाली फेसबुक पोस्ट से बताया गया कि ये सपा-कांग्रेस तथा बसपा मानसिकता के कुछ लोग हैं जो सत्ता के लालच में भाजपा में तो आ गए, पर रामभक्त नहीं बन पाए। अब बेमतलब का विवाद उत्पन्न कर रामलीला ना हो ऐसा माहौल बना रहे हैं।

बड़ी बात ये है कि अब इस मामले में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार, विधायक और पार्षद को भी निशाने पर लिया गया है। पोस्ट में एक लाइन इसको इंडीकेट कर रही है। उसमें बताया गया है कि भाजपा ने आप सबको इज्जत देकर पार्षद, विधायक और सांसद तथा मंत्री बनाया। यहां सवाल ये भी उठा है कि जब रामलीला के आप सदस्य नहीं रहे तो क्यों दबंगई दिखा रहे हो। बड़ी बात ये है कि इन शब्दों में जनप्रतिनिधि शब्द का इस्तेमाल किया गया है। अब सवाल ये खड़ा हो गया है कि जब छोटे चेहरे रामलीला को लेकर भाजपा के बड़े चेहरों पर सार्वजनिक रूप से सोशल मीडिया पर उंगली उठा रहे हैं तो क्या भाजपा में कोई ऐसा नहीं है जो इस पूरे विवाद को शांत कराए। रामलीला तो होती है, रामलीला होगी, लेकिन रामलीला के दौरान कोई अप्रिय विवाद अच्छा नहीं माना जाता है और इस विवाद का रामलीला से पहले ही समाधान होना जरूरी है।

कुत्तों के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट को करना चाहिए दोनों पक्षों की भावनाओं का विचार : बालेश्वर त्यागी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। हमारे एमएमएच कालेज के प्रिंसिपल श्री बीएस माथुर कहा करते थे कि जब हम सुबह को घूमने जाते हैं तो हमारे कई साथियों के हाथ में बेंत होती है। मैं उनसे कहता हूं कि आपको अपनी बेंत को घुमाने का अधिकार आपका है लेकिन केवल वहां तक जहां तक वह मेरी नाक से न टकराए। प्रत्येक व्यक्ति का अपना अधिकार है। उसे अपनी इच्छानुसार कार्य करने की स्वतंत्रता है लेकिन उस स्वतंत्रता की एक सीमा है। वह सीमा है, जहां तक वह दूसरे की स्वतंत्रता को प्रभावित न करती हो। कभी कभी लगता है कि जो बात माथुर साहब ने इतने सरल शब्दों में कह दी, वह बात कभी कभी सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश भी समझ नहीं पाते। सड़कों पर आवारा कुत्तों के मामले में कुछ ऐसा ही हुआ है। सड़कों के कुत्तों के आतंक से पीड़ितों ने जब अपना पक्ष रखा और उनके द्वारा कारित घटनाओं का विवरण प्रस्तुत किया तो न्यायालय ने एक समय सीमा में सभी सड़कों पर घूमने वाले कुत्तों को सेल्टर होम में स्थानांतरित करने का निर्देश जारी कर दिया लेकिन अगले ही दिन जब कुत्ता प्रेमियों ने इसके विरोध में आवाज बुलंद की तो मुख्य न्यायाधीश ने तीन सदस्यों की बैंच बनाने में देरी नहीं की।

जो सड़कों पर घूमने वाले कुत्तों से पीड़ित हैं, उनकी पीड़ा बढ़ा कर बताई गई नहीं है। ये एक वास्तविकता है।गंदगी फैलाना घर के मुख्य दरवाजे पर ही गंदगी करना, घर आने वाले आगंतुक को दौड़ना, रात को इतना भौंकना कि नींद में भी व्यवधान हो इतना तो सामान्य है लेकिन कई मामलों में तो अबोध बालक के जीवन को भी खतरा बन जाते हैं। दूसरी ओर कुत्ता प्रेमियों का कथन भी निरर्थक नहीं है। जो पेड़ पौधों में भी जीवन देखते हैं। जीवों पर दया करने का उदघोष करते हैं। कुत्तों को भोजन देने में अपने अभिशाप(कष्टों) का निराकरण ढूंढते हैं। वफादारी के लिए कुत्ते को उदाहरण मानते हैं। कई लोग सृष्टि में मानव के समान ही कुत्ते का अस्तित्व भी देखते हैं। इन भावनाओं का संरक्षण भी एक अधिकार रूप में खड़ा है। उनके भी अधिकार उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने कुत्तों से पीड़ितों के हैं।लेकिन दोनों पक्ष अगर अतिवादी दृष्टिकोण अपनाएंगे तो उसमें से अव्यवस्था ही निकलेगी।

दोनों वर्गों की भावनाओं का समान रूप से संरक्षण करना सर्वोच्च न्यायालय के लिए आवश्यक है।कुत्ते भी रहें, उनका भी संरक्षण हो, लेकिन उनके आतंक पर भी रोक लगे। सड़कों को कुत्तों के आतंक से मुक्ति मिले और कुत्ता प्रेमियों को कुत्तों के भरण पोषण के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हों। ऐसी व्यवस्था सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से संभव हो तभी इसे उचित निर्णय कहा जाएगा।

जो बात माथुर साहब ने इतने सरल शब्दों में कह दी, वह बात कभी कभी सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश भी समझ नहीं पाते। सड़कों पर आवारा कुत्तों के मामले में कुछ ऐसा ही हुआ है। सड़कों के कुत्तों के आतंक से पीड़ितों ने जब अपना पक्ष रखा और उनके द्वारा कारित घटनाओं का विवरण प्रस्तुत किया तो न्यायालय ने एक समय सीमा में सभी सड़कों पर घूमने वाले कुत्तों को सेल्टर होम में स्थानांतरित करने का निर्देश जारी कर दिया लेकिन अगले ही दिन जब कुत्ता प्रेमियों ने इसके विरोध में आवाज बुलंद की तो मुख्य न्यायाधीश ने तीन सदस्यों की बैंच बनाने में देरी नहीं की।

दूसरी ओर कुत्ता प्रेमियों का कथन भी निरर्थक नहीं है। जो पेड़ पौधों में भी जीवन देखते हैं। जीवों पर दया करने का उदघोष करते हैं। कुत्तों को भोजन देने में अपने अभिशाप(कष्टों) का निराकरण ढूंढते हैं। वफादारी के लिए कुत्ते को उदाहरण मानते हैं। कई लोग सृष्टि में मानव के समान ही कुत्ते का अस्तित्व भी देखते हैं। इन भावनाओं का संरक्षण भी एक अधिकार रूप में खड़ा है। उनके भी अधिकार उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने कुत्तों से पीड़ितों के हैं।लेकिन दोनों पक्ष अगर अतिवादी दृष्टिकोण अपनाएंगे तो उसमें से अव्यवस्था ही निकलेगी।

मुंबई में तीन दिन से लगातार भारी बारिश, जनजीवन प्रभावित

रेड अलर्ट के बीच प्रशासन ने स्कूलों-कॉलेजों के लिए छुट्टी घोषित की

लगातार तीसरे दिन हुई तेज बारिश के कारण सड़कें जलमग्न

मुंबई। मुंबई के निवासियों की नींद सोमवार सुबह जोरदार बारिश के साथ खुली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (विभाग) ने 'रेड अलर्ट' जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि शहर और आसपास के इलाकों में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है। इस चेतावनी के बाद नगरपालिका (बीएमसी) प्रशासन ने स्कूलों और कॉलेजों के लिए छुट्टी घोषित कर दी।

शहर के कई इलाकों में लगातार तीसरे दिन हुई तेज बारिश के कारण सड़कें जलमग्न हो गईं। अंधेरी सबवे और लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स जैसे निचले इलाकों में पानी भर गया, जिससे ट्रैफिक पर असर पड़ा। मुंबई की लाइफलाइन मानी जाने वाली लोकल ट्रेनें करीब 10 मिनट की देरी से चल रही थीं। हालांकि, किसी भी सेवा को पूरी तरह बंद नहीं किया गया। मध्य रेलवे की हार्बर लाइन पर कुछ निचले इलाकों में पानी भरने और कुर्ला व तिलक नगर स्टेशनों के बीच ट्रैक चेंजिंग प्वाइंट फेल होने के कारण सेवाएं प्रभावित रहीं।

कुछ हिस्सों में इतनी तेज बारिश हुई कि वाहन चालकों को दिखना भी मुश्किल हो गया और वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई। आईएमडी ने अपने ताजा बुलेटिन में मुंबई, ठाणे और रायगढ़ जिलों के लिए अगले दो दिनों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, सोमवार सुबह साढ़े बजे तक बीते 24 घंटों में सांताक्रूज में 99 मिलीमीटर और कोलाबा में 38 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर विचार, 'इंडिया' गठबंधन की बैठक में चर्चा

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार करने के लिए बैठक की। सूत्रों के मुताबिक, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के कक्ष में कई विपक्षी नेताओं ने बैठक की और इस बात पर चर्चा की कि कैसे मुख्य चुनाव आयुक्त ने रविवार को उनकी ओर से उठाए गए किसी भी सवाल का जवाब दिए बिना एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। कुछ विपक्षी सांसदों का मानना है कि इस लड़ाई को आगे बढ़ाया जाना चाहिए और उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने का सुझाव दिया। हालांकि, यह कदम चर्चा के चरण में है। विपक्षी दल फिर से मिलेंगे और इस पर आगे चर्चा करेंगे।

दरअसल, एक दिन पहले यानी रविवार को ही चुनाव आयोग ने एक बड़ी प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसमें सीईसी ज्ञानेश कुमार ने कहा था कि कुछ लोगों की तरफ से पीपीटी प्रेजेंटेशन में दिखाए आंकड़े चुनाव आयोग के नहीं हैं। उन्होंने साफ और स्पष्ट शब्दों में कहा था कि वोट चोरी के आरोपों पर हलफनामा दें या देश से माफी मांगे। तीसरा कोई विकल्प नहीं है। अगर सात दिन में हलफनामा नहीं मिला तो आरोपों को निराधार समझा जाएगा।

'वोट चोरी' के आरोपों के बीच विपक्षी दल संसद के मानसून सत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव ला सकते हैं। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सैयद नसीर हुसैन ने भी इस मुद्दे पर बात की और कहा कि पार्टी जरूरत पड़ने पर महाभियोग प्रस्ताव सहित सभी लोकतांत्रिक तरीकों का इस्तेमाल करने के लिए तैयार है। हालांकि, अभी तक इस पर कोई औपचारिक चर्चा नहीं हुई है।

हुसैन ने एएनआई को बताया, 'अगर जरूरत पड़ी, तो हम नियमों के तहत लोकतंत्र की सभी शक्तियों का इस्तेमाल करेंगे। अभी तक हमने महाभियोग के बारे में कोई चर्चा नहीं की है, लेकिन जरूरत पड़ने पर हम कुछ भी कर सकते हैं।' विपक्ष संसद के दोनों सदनों में एसआईआर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहा है। उनका आरोप है कि चुनाव आयोग की इस कवायद का उद्देश्य इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों से पहले मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करना है। वे दोनों सदनों में इस मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। 21 जुलाई को मानसून सत्र शुरू होने के बाद से ही दोनों सदनों में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को छोड़कर संसद में बहुत कम कामकाज हुआ है। ज्यादातर एसआईआर मुद्दे पर ही सदन की कार्यवाही बार-बार स्थगित हुई है।

सो रहे थे लोग...आया तेज बहाव, छतों पर भागकर बचाई जान, गृहस्थी बर्बाद

जम्मू-कश्मीर। कठुआ में बादल फटने से आई बाढ़ ने सब कुछ तबाह कर दिया। लोग अपने घरों में सो रहे थे तभी पानी का तेज बहाव उनके घर में आ गया। घर के सदस्यों ने छतों पर जाकर किसी तरह अपनी जान बचाई।

शहर के वार्ड-7 की रहने वाली ममता देवी ने बताया कि अल सुबह जब वह अपने परिवार के साथ घर में सो रही थीं तभी पानी का तेज बहाव उनके घर में आ गया। जब तक कुछ समझ पातीं तब तक पानी पांच फीट तक भर गया था। ऐसे में जैसे-तैसे परिवार के सदस्यों ने साथ बने एक मकान की छत पर पहुंचकर अपनी जान तो बचा ली, लेकिन घर में रखी सब गृहस्थी तबाह हो गई। घर में न तो खाने के लिए एक दाना बचा है और न ही कपड़े। बिस्तर तक पानी में बह गए हैं। कुछ ऐसा ही हाल वार्ड के अन्य घरों का है। जहां अचानक आई बाढ़ से लोगों का जान बचा पाना मुश्किल हो गया था।

बताया कि जिन लोगों के घर दो मंजिला हैं उनका तो कुछ सामान बच गया, लेकिन भूतल पर बने घरों में लोगों का कुछ भी नहीं बचा है। वार्ड में हर तरफ कीचड़ और तबाही का मंजर दिख रहा था।

बाढ़ के पानी में घरों में रखे सामान के साथ-साथ गली और सड़कें तक बर्बाद हो गई हैं। वार्ड में ब्राह्मण सभा के पास सड़क का हाल खड्ड जैसा हो गया है। वहीं गलियों में लगी टाइलें भी पूरी तरह से उखड़ गईं। गलियों में घरों की चहारदीवारी ढहने से आवागमन भी अवरुद्ध हो गया है। बीती रात को अचानक आई बाढ़ से राजकीय मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) कठुआ भी जलमग्न हो गया। इसके अलावा जीएमसी के साथ लगते जम्मू-पठानकोट हाईवे का 100 मीटर रास्ता भी बाढ़ के कारण धंस गया है।

स्कूली छात्रों के बीच चाकूबाजी, एक छात्र की मौत

आरोपी सहित तीन घायल

गाजीपुर। गाजीपुर शहर कोतवाली क्षेत्र के सनबीम महराजगंज में चौथे मंजिल पर बने बाथरूम में दो छात्र ग्रुप में मारपीट हो गई। इस दौरान जमकर चाकूबाजी भी हुई, जिसमें एक छात्र की मौत हो गई।

जबकि आरोपी सहित तीन छात्र जख्मी हो गए हैं। जिन्हें उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

क्या है पूरा मामला

पुलिस के मुताबिक, घटना उस वक्त हुई जब सनबीम महराजगंज में सभी विद्यार्थी पढ़ रहे थे। इस दौरान यूसुफपुर मुहम्मदाबाद निवासी और स्कूल का 10वीं का छात्र आदित्य वर्मा बाथरूम में गया। जहां तीन और छात्र पहुंच गए। पुलिस की प्रारंभिक जांच के मुताबिक बाथरूम के पास छात्रों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इतने में आरोपी किशोर और 9वीं के छात्र ने चाकू से सिर और सीने में ताबड़तोड़ वार कर दिया। इस दौरान बीच-बाच में दो और छात्र जख्मी हो गए।

स्कूल प्रशासन ने आनन-फानन गंभीर रूप से घायल आदित्य और तीनों छात्रों को अस्पताल पहुंचाया। साथ ही पुलिस और परिजनों को घटनाक्रम की जानकारी देते हुए स्कूल में छुट्टी कर दिया। इधर, डॉक्टरों ने आदित्य को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी होते ही हड़कंप मच गया। अभिभावक अपने बच्चों का हाल जानने को लेकर परेशान रहे और वह सीधे स्कूल पहुंचे।

पुलिस के अनुसार, आरोपी छात्र की पहचान कर ली गई है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दोनों छात्रों के बीच पहले से ही किसी बात को लेकर तनाव था।

तनाव के बीच सोमवार को स्कूल खुलने के साथ ही आरोपी छात्र पहले से ही बैग में चाकू छिपाकर लाया था और विवाद शुरू होने के बाद चाकु से आदित्य को गोदना शुरू किया तो छात्रों के बीच अफरातफरी मच गई।

इस दौरान बचाव करने की कोशिश करते हुए दो अन्य छात्र भी घायल हो गए। वहीं आरोपित छात्र भी इसमें घायल हुआ है। एएसी सिटी ज्ञानेंद्र प्रसाद, सीओ सिटी शेखर सेंगर और शहर कोतवाल दीनदयाल पांडेय पहुंचे और मौके की पर जांच करने के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने में लगे रहे।

दिल्ली के कई इलाकों में बाढ़ का खतरा!

खतरे के निशान के पार बह रही यमुना, सीएम रेखा का दौरा

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना नदी ने सोमवार को खतरे के निशान को पार कर दिया है। जिसे देखते हुए दिल्ली और आसपास के इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। क्योंकि हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से लाखों क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। तेज बहाव के साथ पानी दिल्ली की ओर बढ़ रहा है। वहीं दिल्ली में दो दिनों से बारिश भी हो रही है। खतरे को देखते हुए अलर्ट जारी कर दिया गया है और यमुना किनारे टीमों को तैनात किया गया है।

ताजा अपडेट के मुताबिक, यमुना का जलस्तर खतरे के निशान 205.33 मीटर के पार पहुंच गए। हथिनीकुंड बैराज से दोपहर 12 बजे करीब 1.80 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। दोपहर 12 बजे यमुना का जलस्तर 205.24 मीटर पहुंच गया। वहीं आज से यमुना खादर से लोगों को निकालने का काम शुरू किया गया है। सभी थानों से यमुना किनारे रहने वाले सभी लोगों की सटीक जानकारी मांगी गई है। इसके अलावा यमुना के बढ़े जलस्तर की जांच करने सीएम रेखा गुप्ता का दौरा है। कुछ देर में बंध रोड गीता कॉलोनी बाढ़ नियंत्रण कक्ष और बोट क्लब, ड्रेन नंबर 12, यमुना तटों का मुख्यमंत्री निरीक्षण करेंगीं।

दिल्ली में 2023 जैसी बाढ़ का खतरा मंडरा रहा : यमुना का जलस्तर रविवार शाम 4 बजे 204.60 मीटर दर्ज किया गया जो चेतावनी के स्तर 204.50 मीटर से ज्यादा है। ऐसे में दिल्ली में फिर से 2023 की बाढ़ जैसे हालात बन रहे हैं। उस समय 45 साल का रिकॉर्ड टूटा था और यमुना का जलस्तर 208.48 मीटर तक पहुंच गया था। पहाड़ों पर लगातार हो रही भारी बारिश के कारण ऐसी आशंका है कि सोमवार-मंगलवार को आधी रात से दिल्ली में यमुना उफान पर होगी।

रविवार शाम 4 बजे हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से एक साथ 1,78,996 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। करीब इसी अनुपात में निरंतर पानी आ रहा है जो रात करीब 2 बजे दिल्ली पहुंचेगा। इससे यमुना का जलस्तर 206 मीटर के पार जाने की आशंका है।

दिल्ली सरकार ने जारी किया अलर्ट

मानसून सत्र में एसआईआर पर विपक्ष का जोरदार हंगामा, स्पीकर हुए नाराज

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान दोनों ही सदनों लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। संसद के निचले सदन में विपक्ष का बर्ताव आक्रामक होने की वजह से उन्हें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने फटकार लगाई। उन्होंने चेतावनी दी कि विपक्ष के ऐसे बर्ताव की वजह से उन्हें निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ सकती है। दरअसल, सदन में विपक्ष प्रश्नकाल के दौरान हंगामा कर रहा था। विपक्ष के नेता वेल तक पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। वे एसआईआर और अन्य मुद्दों पर विरोध दर्ज करा रहे थे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, 'यदि आप उसी ताकत से सवाल पूछते हैं जिसके साथ आप नारे लगा रहे हैं, तो यह देश के लोगों के लिए फायदेमंद होगा। लोगों ने आपको सरकारी संपत्ति को तोड़ने के लिए नहीं भेजा है और मैं आपसे अनुरोध करता हूं और आपको चेतावनी देता हूं कि किसी भी सदस्य को सरकारी संपत्ति को तोड़ने का विशेषाधिकार नहीं है। यदि आप सरकारी संपत्ति को तोड़ने की कोशिश करते हैं, तो मुझे कुछ निर्णायक फैसले लेने होंगे और देश के लोग आपको देखेंगे।

कई विधानसभाओं में ऐसी घटनाओं के लिए सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। मैं आपको फिर से चेतावनी देता हूं। सरकारी संपत्ति को नष्ट करने की कोशिश न करें। यह मेरा आपसे अनुरोध है।'

संसद परिसर में विपक्ष का एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन

इससे पहले बिहार में चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची संशोधन के खिलाफ सोमवार को संसद भवन परिसर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई विपक्षी सांसदों ने विरोध प्रदर्शन किया। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों ने 'वोट चोर, गद्दी छोड़' और 'वोट चोरी बंद करो' के नारे लगाए।

मेरठ टोल प्लाजा पर सेना के जवान को बर्बरता से पीटा

पुलिस ने छह को किया गिरफ्तार

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में ड्यूटी पर जा रहे सेना के एक जवान पर टोल प्लाजा कर्मचारियों ने कथित तौर पर हमला किया। इस मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना रविवार को सरूरपुर इलाके के भूनी टोल प्लाजा पर हुई, जब गोटका गांव का रहने वाला कपिल छुट्टी के बाद ड्यूटी पर लौट रहा था। टोल प्लाजा पर वाहनों की लंबी कतार में उसकी कार फंस गई थी। कपिल ने टोल प्लाजा कर्मचारियों से वाहनों को जल्दी हटाने का आग्रह किया, जिससे विवाद हो गया।

अधिकारी ने बताया कि जब बहस बढ़ गई, तो टोल प्लाजा कर्मचारियों ने कपिल की पिटाई कर दी। पुलिस ने जवान के परिवार की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राकेश कुमार मिश्रा ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

मेरठ-करनाल हाईवे पर भूनी टोल के कर्मचारियों ने रविवार रात गांव गोटका निवासी सेना के जवान कपिल पर हमला कर दिया। बचाव करने पर उसके चचेरे भाई शिवम को भी आरोपियों ने पीटा।

'राहुल गांधी समय बर्बाद कर रहे, जनता नकार चुकी है', वोटर अधिकार यात्रा पर भाजपा का हमला

नई दिल्ली। बिहार की राजनीति विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही गरमा गई है। इसी कड़ी में राज्य सरकार के पंचायती राज मंत्री और बीजेपी नेता केदार प्रसाद गुप्ता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव पर करारा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बिहार में बेवजह घूमकर अपना समय बर्बाद कर रहे हैं। तेजस्वी यादव को बिहार और राहुल गांधी को देश की जनता पहले ही नकार चुकी है।

'जनाधार खत्म हो चुका, चुनाव में जनता करेगी बाहर' : मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस और राजद दोनों ही जनता के भरोसे से बाहर हो चुके हैं। राहुल गांधी को देश की जनता ने और तेजस्वी यादव को बिहार की जनता ने नकार दिया है। अब बिहार में घूमने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। उनका जनाधार पूरी तरह खत्म हो गया है और आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता इन्हें पूरी तरह बाहर का रास्ता दिखा देगी।

'एनडीए सरकार की उपलब्धियों पर जताया भरोसा' : बीजेपी मंत्री ने कहा कि बिहार में एनडीए की सरकार ने नीतीश कुमार के नेतृत्व में जितना विकास कार्य किया है, उतना किसी अन्य सरकार ने आज तक नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि जनता एनडीए सरकार के कामकाज को भली-भांति देख रही है और यही कारण है कि आगामी चुनाव में विपक्ष को कोई लाभ मिलने वाला नहीं है।

संबंध विच्छेद

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हमने दिनांक 16 08 25 से अपने दोनों पुत्र विनीत व ललित से समस्त रिश्ते नाते व सम्बन्ध समाप्त कर उनको अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनसे हमारा व हमारे परिवार का कोई ताल्लुक वास्ता नही होगा तथा अपने द्वारा किये गये किसी भी लेन-देन, व्यवहार या कृत्य के लिए वे स्वम्जिम्मेदार होंगे हमारा व हमारे परिवार का कोई उत्तरदायित्व किसी प्रकार का नहीं होगा।

प्रार्थीगण

वेदपाल पुत्र अतर सिंह व सुरजवती पत्नी वेदपाल निवासीगण मकान नंबर 204/जे,ब्लॉक महिंद्रा एंक्लेव,थाना कवि नगर,जिला गाजियाबाद ।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। मंगलवार 19 अगस्त -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

दैनिक करंट क्राइम ने जब किया कार्यकर्ता का ख्याल और रखा सवाल

सभी दलों के कार्यकर्ता आए आगे और रखी अपने मन की बात

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। दैनिक करंट क्राइम समय-समय पर सामाजिक मुद्दे उठाता है, राजनीतिक मुद्दों को लाता है और दैनिक करंट क्राइम की ये विशेषता है कि वो हमेशा उस वर्ग की जुबान बन जाता है जो वर्ग कई बार किसी सामाजिक शिष्टाचार, पार्टी प्रोटोकॉल के चलते खुलकर अपनी बात नहीं रख पाता। कार्यकर्ता किसी भी राजनीतिक दल का हो, लेकिन उसकी ये इच्छा रहती है कि जिस दल के नेता की वो जिंदाबाद कर रहा है कभी उस दल के बड़े नेता भी उसके घर पर आएं और उसे याद करें। आमतौर पर ये परिपाटी है कि बड़े नेता बड़े नेताओं के घर जाते हैं। दैनिक करंट क्राइम ने इस सवाल को उठाया और ये पूछा कि कभी-कभी मेरे दिल में ख्याल आता है कि कोई बड़ा नेता आखिर सामान्य कार्यकर्ता के घर क्यों नहीं जाता है। ये सवाल दैनिक करंट क्राइम ने अपने पाठकों के समक्ष रखा और सवाल जिन राजनीतिक कार्यकताओं से जुड़ा था, उन सभी कार्यकताओं ने अपने मन की बात को रखा। किसी एक दल के कार्यकताओं की संख्या ज्यादा हो सकती है, लेकिन सभी दलों के कार्यकर्ता इस सवाल से जुड़े। उन्होंने अपने मन की बात रखी। किसी ने कहा कि बड़े नेता छोटे कार्यकर्ता को इग्नोर करते हैं। किसी ने कहा कि चुनाव के समय ही कार्यकताओं की याद आती है। किसी ने कहा कि पैसे का बोलबाला है और सभी दलों के राजनीतिक कार्यकताओं ने इस सवाल से खुद को जोड़ा और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। कार्यकर्ता क्या सोचता है, कार्यकर्ता बड़े नेता से क्या चाहता है, इन सभी प्रतिक्रियाओं को दैनिक करंट क्राइम अपने पाठकों के लिये लेकर आया है।

करंट क्राइम facebook करंट क्राइम

मनवीर सिंह

वर्तमान के नेता और जनप्रतिनिधि जमीन से जुड़े हुए नहीं है यह वह लोग हैं जो अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए राजनीति में आए हैं इसलिए साधारण कार्यकर्ता के घर नहीं जाते बात सच है मगर बहुत कड़वी है आज सिर्फ केवल राजनीतिक दिखाओ और छलावा है।

Like Comment Share

करंट क्राइम facebook करंट क्राइम

अकरम खान

सब जाते हैं बस बुलाने वाले का भाव होना चाहिए। ऐसी बात नहीं है कि सभी नेता एक से नही होते हैं। कुछ नेता जमीन से जुड़े हुए होते हैं और कार्यकर्ता का दर्द पहचानते हैं। और उनके हर सुख-दुख में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। ऐसी बात नहीं है हमारे यहाँ तो सब आते हैं।

Like Comment Share

करंट क्राइम facebook करंट क्राइम

स्पर्श अग्रवाल

छोटा कार्यकर्ता एक साधारण सा इंसान होता है उनके यहां जाने से क्या होगा जाओ या ना जाओ क्या फर्क पड़ता है भैया। आज की डेट मैं सिर्फ एक ही ऐसा इंसान है। विधायक श्री संजीव शर्मा जी जिन्होंने सबका दिल जीत रखा है छोटे हो या बड़े सभी कार्यकर्ता के घर भी जाते है।

Like Comment Share

करंट क्राइम facebook करंट क्राइम

मुकेश राघव

हमारे लोकप्रिय विधायक बड़े भाई संजीव शर्मा जी को जब पता चलता है कि कोई कार्यकर्ता पर दुख है उसके घर जरूर जाते हैं और उनके दुख में शामिल होते हैं नेता दु:ख में बुलाये नहीं जाते स्वयं पहुंच जाते हैं ऐसे हैं लोकप्रिय विधायक संजीव शर्मा जी है।

Like Comment Share

करंट क्राइम facebook करंट क्राइम

कुंजन पंडित

सामान्य कार्यकर्ता जिन वार्ड में रहते हैं वहां शिकायत बहुत है और नाली खड़ंजे स्ट्रीट लाइट जनता में त्राहिमाम होता है। सच का सामना करना पड़ सकता है इसलिए कड़वा है लेकिन सत्य है। क्या करें।

Like Comment Share

रोहित पंडित

गाजियाबाद शहर विधानसभा के यशस्वी विधायक श्री संजीव शर्मा जी ऐसे जनप्रतिनिधि हैं जिनका अपने एक एक कार्यकर्ता से परिचय है और यह परिचय परिचय तक ही सीमित नहीं है वह कार्यकर्ताओं के घर तक जा चुके हैं और उस कार्यकर्ता के परिवार के परिजनों से अपने परिवार की तरह मिलते है सभी कार्यकर्ताओ के सुख-दु:ख में उनकी उपस्थिति हमेशा रहती है सभी कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहते हैं और सुबह-शाम जनता दरबार चलता है और उनका फोन हमेशा सभी के लिए उपलब्ध रहता है और विधायक जी की अनुपस्थिति में भी क्षेत्र की जनता के काम नहीं रुकते व लगातार फोन के माध्यम से भी सदैव सभी की सेवा मे दिन-रात रहते हैं यह हमारा सौभाग्य है कि हमें ऐसे विधायक मिले हैं।

एडवोकेट अजय राजपूत

बड़े भाई भाटी जी अब मैं कह नहीं सकता पर जब तक मैं भाजपा में वार्ड अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष महानगर संयोजक और प्रतिनिधि रहा तब तक जिस कार्यकर्ता ने जब भी बुलाया जिस नेता को चाहा वो नेता हर उस कार्यकर्ता के घर गया। लाइनपार क्षेत्र को 2012 से पहले अछूत समझा जाता था। कोई नेता आने को तैयार नहीं होता था पर जब मैं पदाधिकारी बना उसके बाद अपने देखा ही है कि लाइन पर क्षेत्र में भाजपा का बोलबाला हो गया है। मुझे नहीं लगता कि कोई कार्यकर्ता वर्तमान विधायक या सासंद जी को बुलाए और ये ना जाए ये जरूर जाते हैं। मैं खुद साक्ष्य हूं जब मैं एक वार्ड अध्यक्ष था तो मा0 राजनाथ सिंह जी जो उस समय राष्ट्रध्यक्ष ओर सासंद गाजियाबाद होते थे मेरे घर आए थे और सड़क के किनारे मैने कार्यक्रम किया था तो उस कार्यक्रम में आकर मान बढ़ाया था इसी प्रकार उनका बेटा पंकज सिंह जी भी कई बार आए और अशोक मोंगा जी महानगर अध्यक्ष होते थे मेरे साथ मार्टसेकल पर बैठ कर कार्यकर्ताओं के घर जाते थे ऐसे बहुत बड़े नाम है जो आज राष्ट्रीय राजनीति में है पर लाइनपार क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के घर खूब आते जाते थे बड़े भाई इसमें नेताओं की गलती के साथ जो उनके साथ पदभार लेकर रहते है उनकी जिम्मेदारी नेताओं से ज्यादा बनती है वो नेताओं को कार्यकर्ताओं के घर लेकर जाए पर देखने को मिलता है कि नेताओं से ज्यादा वर्चस्व साथियों का है बाकी आप सब समझते है आप सब देखते आए है।

सुदर्शन पंडित

बड़े नेता नहीं जानते कि छोटे कार्यकर्ता किन परिस्थितियों से गुजर कर उनके लिए रास्ते बनाते हैं सच तो ये है कि एक बार जनप्रतिनिधि बनते ही कार्यकर्ताओं के फोन काल भी नहीं उठाए जाते है सच यही है जो चापलूसी करते हैं उनकी बात अलग है। आपका बहुत बहुत धन्यवाद कि आप कार्यकर्ताओं के बारे में इतना रुचि ले रहे हैं वरना पत्रकार कहा किसी कार्यकर्ता की बात करते है इसीलिए आप सभी के प्रिय हैं।

सुनीता चौहान

बिल्कुल सही का विनोद चौधरी भैया जी आपने इलेक्शन के टाइम पर ही बड़े नेताओं को कार्यकर्ता की याद आती है वरना कहीं मिल जाए तो पहचानते भी नहीं है।

ओ३म राजपूत

भाव से बुलाओ तो भगवान भी आ जाते हैं। हमारे गाजियाबाद के नेताओं की यह एक अनोखी पहचान है, सामान्य कार्य करता है कि जब भी कोई परेशानी होती है तो उसका समाधान अवश्य करते हैं।

प्रदीप चौधरी

बड़ा नेता और कार्यकर्ता का रिश्ता ही संगठन की आत्मा है।

विनय चौधरी

कार्यकर्ता केवल पार्टी का काम करने के लिए है। उसे इन सब बातों से मतलब नहीं होता। कोई सम्मान दे दे तो ठीक नहीं तो भी ठीक यदि कार्यकर्ता की बराबरी बड़े नेताओं और जनप्रतिनिधियों से होती है तो हम केवल 4 वोट से पार्षद चुनाव में शहीद नगर जैसे क्षेत्र से पराजित होने पर केशव प्रसाद मौर्य जी की तरह नामित होने चाहिए। 25 वर्षों से हम अपने मोर्चे पर अडिग खड़े हैं।

करंट क्राइम facebook

आशा पंवार

जाता है भाई साहब जब चुनाव आते हैं तो वोट मांगने जाता है।

करंट क्राइम facebook

प्रवीण राघव

आपके मन में जो ख्याल आता है वह सच्चाई जागरूक करता है।

करंट क्राइम facebook

विवेक तोमर

ये बात...इसे कहते हैं दमदार सवाल।

करंट क्राइम facebook

चौधरी उदयवीर सिंह

सिर्फ अपने चमचों के घर जाता है।

करंट क्राइम facebook

नवनीत गुप्ता

छोटा कार्यकर्ता बड़ा कार्यकर्ता ना बन जाए।

करंट क्राइम facebook

कृष्ण पाल टुन्नू

शत प्रतिशत सही।

करंट क्राइम facebook

जगमोहन सिंह

भाटी जी क्या बात कह दी।

करंट क्राइम facebook

सुनील जैन

सही कहा।

करंट क्राइम facebook

मुशीर रशीद मंसूरी

चुनावों में अवश्य जाते हैं।

देवेन्द्र पायल

मुरादनगर में कौन सा कार्यकर्ता है जिसने बड़े भाई अजित पाल त्यागी जी को बुलाया हो और वह नहीं गए हों। अभी 2 साल पहले की ही बात है मैंने भाई के पास कॉल की भैय्या प्रसाद वितरण का कार्यक्रम है। आप मात्र 10 मिनट के लिए आ जाओ जवाब मिला नहीं गाजियाबाद में जगन्नाथ यात्रा है मुरादनगर में पहले से ही बहुत प्रोग्राम है। आज समय नहीं है फिर कभी आ जाऊंगा मेने गुस्से मे कॉल काट दी करीब 30 मिनट बाद आये भी ओर 45 मिनट तक रुके भी ऐसे है हमारे नेता बड़े भाई अजित पाल त्यागी जी।

एडवोकेट महिम गुप्ता

दीपक भाई साहब कभी कभी मेरे दिल में ये ख्याल आता है कि कैसे शहर विधायक संजीव शर्मा जी छोटे से छोटे कार्यकर्ता के घर मात्र एक बार कह भर देने से दोड़े चले जाते हैं वह यह भी नहीं देखते सोचते की उसका घर कहाँ है गाड़ी पहुँच भी पायेगी या नहीं, जाना है तो बस जाना है चाहे फिर रास्ता पैदल ही नापना पड़े। शहर विधानसभा के हर कार्यकर्ता को अपने परिवार की तरह मानने वाले ऐसे शहर विधायक।

पवन शर्मा

गाजियाबाद के लोकप्रिय विधायक श्री संजीव शर्मा जी छोटे से कार्यकर्ता के यहां तो जाते ही हैं। आम व्यक्ति के हमेशा सुख-दुख में खड़े होते हैं और सबका सम्मान करते हैं।

संजीव वाल्मीकि

अभी तक तो माननीय विधायक संजीव शर्मा जी सब के यहां आते जाते है पर मुझको डर ये है कि कही आने वाले समय मै वो भी ना बदल जाय अभी तक तो वो ही नंबर 1 पर हैं।

ब्रजेश कुमार मिश्रा

शहर विधायक संजीव शर्मा जी ऐसे जनप्रतिनिधि में हैं जो हर सामान्य से सामान्य व्यक्ति के यहां जाते है उनके मन में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं है ऐसा छोटा सा कार्यकर्ता मैं भी हूं जिसके यहां मा0 विधायक जी ने अपना कदम आवास पर रखा।

हेमन्त जोशी

भैया एक नेता हैं जो अपने महानगर कार्यकाल से लेकर विधायक बनने तक अपने पूरे कार्यकाल में हजारों सामान्य कार्यकर्ताओं के घर पहुंचे हैं उनका नाम है संजीव शर्मा कआज भी अगर कोई कार्यकर्ता उन्हें दुख सुख में याद करते हैं तो वो जरूर पहुंचते हैं।

साहिल ठाकुर

जितना मैंने समझा है बड़े नेता जाना चाहते हैं पर वहाँ के बड़े लोकल नेता जाने नहीं देते।

सिमल शर्मा

आदरणीय विधायक श्री संजीव शर्मा जी एक ऐसे नेता विधायक हैं जो हर एक कार्यकर्ता का सम्मान करते हैं। हर किसी भी कार्यकर्ता के घर जाते हे बहुत ही सम्मान करते हे ओर छोटे से छोटे कार्यकर्ता को गले से लगाते हे हमेशा कार्यकर्ता की ध्यान से सुनते हे कभी भी मिलने को कहो तो तुरंत मिलने को कहते हे ऐसे हे हमारे विधायक संजीव शर्मा जी।

गौरव बंसल

छोटे कार्यकर्ता के यहां जब जाते हैं जब चुनाव होता है वोट मांगने का समय आता है , केवल जब ही वो कार्यकर्ता याद आते हैं।

नकुल अरोड़ा

शहर गाजियाबाद के यशस्वी विधायक बड़े भाई साहब संजीव शर्मा जी हर छोटे बड़े कार्यकर्ता के सुख दुख में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होते है एक आवाज पर घर तक जाते है बुखार के चलते भी मेरे घर तक आए थे आधी रात को फोन उठाकर समस्या का समाधान कराते हैं।

धर्मेन्द्र चौधरी

गाजियाबाद के लोकप्रिय विधायक आदरणीय बड़े भैया संजीव शर्मा जी ऐसे जनप्रतिनिधि हैं जो हर सामान्य से सामान्य के व्यक्ति के यहां जाते हैं उनके मन में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं है।

भूषण शर्मा

आपको बता दूं भाटी जी आजकल पुराने कार्यकर्ता को नजर अंदाज करने का रिवाज भी है अपनी टीम बनाओ पुराने को हटाओ। ये अपने इस बार मंडल अध्यक्ष वाले समय पर देखा भी होगा। चमचों का जमाना है भाई कार्यकर्ता कुछ नहीं है जो जितने स्टाइल से उठाते हैं बड़े तो बहुत नेता है मगर जमीन से जुड़े हुए नेता कम है जो जमीन से जुड़े है वो सबका सम्मान करते है और जाते हैं जैसे विधायक संजीव शर्मा इसलिए वो अलग पहचान रखते है शहर में अपनी।

अनुपम शर्मा

भैया मैं भी एक समान्य कार्यकर्ता हूं आदरणीय सांसद भाईसाहब अतुल गर्ग जी आदरणीय विधायक संजीव शर्मा जी कोई भी कार्यक्रम होता है क्षेत्र में जहां हम बुलाते हैं वहीं आते है मेरे घर भी आये है संजीव शर्मा जी जैसा विधायक मिलना तो सौभाग्य की बात है आधी रात कार्यकर्ता के लिए तैयार रहते हैं।

विनोद चौधरी गुर्जर

इलेक्शन के समय ही नेताओं को सामान्य कार्यकर्ता की याद जरूर आती है।

तनुज गम्भीर

सब संबंध पर निर्भर करता है। कई ऐसे राजनेता हैं जो कार्यकर्ता के आमंत्रण को स्वीकार करते है और जाते भी है। पांचों उंगली एक बराबर नहीं होतीं।

कमरुद्दीन सैफी

बिल्कुल जाते हैं भाई।

अजय कुमार गुलिया

जरूरत भी क्या है समान्य कार्यकर्ता के घर जाने की वो कहा से लायेगा इनके लिए हल्दीराम की मिठाई ड्रीफरूईटस कम से कम 5000 का सौदा चाहिये वो सामान्य कार्यकर्ता दो पैसा कमा ले तो इन नेताओ के दर्द हो जाता है।

युग छाबड़ा

माननीय शहर विधायक संजीव शर्मा जी ज़िंदाबाद।

संजीव वाल्मीकि

अभी तक तो बस संजीव शर्मा जी ही ऐसे विधायक है जो हर छोटे बड़े कार्यकर्ता के घर जाते है भाटी जी बाकी तो जो बड़े नेता है वो कुछ ज्यादा ही बड़े बन गए क्योंकि मुझको याद है जब वो सांसदी के चुनाव से पहले वाले विधायकी के चुनाव लड़े थे तो हमने उनको जितने से दो दिन पहले अपने घर बुलाया था और वो उस वक्त आए भी थे सुबह की चाय पर बाद मै उनके जितने के बाद जब मैं उनको बधाई देने गया तो वो मुझसे कहते है अरे तुम तो वो ही बाल्मीकि हो ना जिनके घर पर ऊंचे ऊंचे टाइल लगे हुए थे। तभी से मै सोचता हूं उन्होंने तारीफ की थी या ताना मारा था।

अभिषेक पंडित

बड़े नेता छोटे गली वार्ड के नेताओं या कार्यकर्ताओं के यहां इसलिए नहीं जाते हैं क्योंकि वहां बड़े नेताओं के हिसाब से रहन-सहन की सुविधा नहीं मिलेगी हो सकता है एयर कंडीशनर भी ना हो और गली मोहल्ले में नाली पानी खड़ंजे की भी व्यवस्था बेकार है छोटी जगह होगी हो सकता है कुछ मोहल्ले वासियों का विरोध भी झेलना पड़े क्योंकि काम तो करते नहीं है वार्डों में मोहल्ले में तो शिकायत तो पब्लिक को होगी अगर ऐसे में वहां जाएंगे तो सुना भी बहुत कुछ पड़ेगा जिस पर वह बड़े नेता समस्याओं का निस्तारण कर नहीं पाएंगे यह छोटे नेताओं कार्यकर्ताओं के यहां जाने से बड़े नेता अक्सर अक्सर जाने से बचते आए हैं और भी बहुत सारे कारण होते हैं आप जानते हैं सब कुछ बहुत अच्छी तरह!

उद्यान गर्ग

महानगर अध्यक्ष भाजपा मयंक गोयल जी सभी कार्यकर्ताओं के अलावा समाज के सभी वर्गों में लोकप्रिय हैं। यथासंभव सभी के सुख-दुख में हर समय खड़े मिलते हैं।

महकार कसाना

भाटी जी, प्रणाम श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर की हार्दिक शुभकामनाएं बड़ा नेता मंत्री, सासंद, विधायक उस कार्यकर्ता के घर जाता है या उस सामान्य कार्यकर्ता से ताल्लुक रखता है जो आर्थिक रूप से मजबूत होता है बिल्डर अवैध निर्माण कर्ता हो। अवैध कॉलोनाइजर हो, घोड़े गाड़ी वाला हो, व्यापारी के घर जाता है जिसे उसे अपने साथ संबंध जोड़ने पर आर्थिक लाभ चुनावी चंदा सहयोग की प्रबल संभावना हो सामान्य आर्थिक रूप से कमजोर कार्यकर्ता से उसे कुछ नहीं मिलने वाला यही आज की राजनीति भी नेता का सूत्रधार है। आप एक निर्भीक, साहसी सूझबूझ बुद्धिमान सुलझे हुए वरिष्ठ पत्रकार हैं जितने बड़े नेता को आप जानते हैं उतने ही आप उनके सहयोगी कार्यकर्ताओं के कार्य व्यापार, पेशा के बारे में भी जानते हैं।

सुभाष चंद गौतम

जिन कार्यकर्ताओं का प्रभाव और पैसा होता है बड़े नेता उनके पास ही जाते हैं।

विकास डागर

अब नेताओं की क्या बात करें यह सब नेता तो हमारे आदरणीय हैं। पर आप जैसे बड़े पत्रकार, वह भी तो घर नहीं आते।

संदीप शर्मा

बहुत ही अच्छा सवाल दीपक भाई आपको जानकारी के लिए बता दूं मैं या किसी ने भी शहर विधायक बड़े भाई मनाने संजीव शर्मा को अपने घर पर बुलाया तो संजीव भैया तुरंत अपनी डायरी में नोट करके समय अनुसार उसके घर भी जाते हैं उसको यह लगता है कि अब से पहले हम लोग कभी किसी विधायक या संसद से आसानी से नहीं मिल पाए थे लेकिन आज संजीव भैया के विधायक बनने से लाइन पास क्षेत्र में खुशी का माहौल है और ईश्वर से सदैव प्रार्थना है कि हमें सदैव संजीव शर्मा जैसा विधायक हमेशा मिले ईश्वर उन्हें स्वस्थ रखे। संजीव शर्मा जैसा विधायक आज तक नहीं मिला यह मैं और पूरा क्षेत्र कह सकता है क्योंकि लोगों की समस्याओं का समाधान तुरंत होता है।

करंट क्राइम facebook

संजय यादव

इसलिए नहीं जाता क्योंकि वहां बैग भरके पैसा नहीं मिलता।

करंट क्राइम facebook

प्रवीण बत्रा

क्योंकि कार्यकर्ता की टीआरपी बढ़ जाएगी।

करंट क्राइम facebook

भाई रविंद्र गोस्वामी

बहुत ही अच्छा टॉपिक है भाटी जी।

करंट क्राइम facebook

रविंद्र चौधरी

जो कार्यकर्ता जी हजूरी करेगा उसके घर पहले जाएंगे।

करंट क्राइम facebook

कमल पाटिल

नेता लोगों से पूछो क्या जवाब आता है हमें भी बताओ।

करंट क्राइम facebook

प्रीति चौबे

बिलकुल सही ख़्याल आता है।

करंट क्राइम facebook

मीना मंडारी

भाटी जी क्योंकि आजकल एडवांस चलता है।

करंट क्राइम facebook

संजीव जांगिड़

चोपड़ा जी आपसे बड़ा जमीनी कार्यकर्ता भी है कोई।

करंट क्राइम facebook

महेन्द्र चौधरी

पूछ लिया ना, अब देखना।

करंट क्राइम facebook करंट क्राइम

हेमराज माहौर

हमारे गाजियाबाद के लोकप्रिय सांसद माननीय अतुल गर्ग जी भी सभी सामान्य से सामान्य कार्यकर्ता के बुलाने पर घर-घर जाते हैं। मान्य अतुल गर्ग जी जिंदाबाद जिंदाबाद संजीव शर्मा जी जिन्होंने सबका दिल जीत रखा है छोटे से छोटे कार्यकर्ता के घर भी जाते है।

Like Comment Share

करंट क्राइम facebook करंट क्राइम

अंकित गुप्ता

गाजियाबाद विधानसभा 56 में विधायक ही नहीं ईश्वर के अवतार मिले हैं जो गरीब से गरीब और छोटे से छोटे कार्यकर्ता को अपने दिल से लगाकर रखते हैं और उसकी परेशानी में दिन-रात खड़े रहते हैं इस अवतारी को हम बारंबार प्रणाम करते हैं।

Like Comment Share

करंट क्राइम facebook करंट क्राइम

संजय शर्मा

आपकी बातों में दो बात हैं एक तो समान्य कार्यकर्ता अमीर भी हो सकता है और गरीब भी.....लेकिन अब नेताओं का लाव लश्कर ही इतना बड़ा होता है कि गरीब कार्यकर्ता के यहाँ जाना मतलब उसके हजार 2 हजार ठंडे हो जाना...

Like Comment Share

करंट क्राइम facebook करंट क्राइम

पवन शर्मा

दीपक भाई हमारे यशस्वी विधायक श्री संजीव शर्मा जी हर किसी कार्यकर्ता के घर आते हैं उनके सुख-दुख में शामिल होते हैं विधायक जी हर कार्यकर्ता को अपना मानते हैं विधायक जी हर कार्यकर्ता के लिए 24 घंटे तैयार रहते हैं।

Like Comment Share

करंट क्राइम facebook करंट क्राइम

अमित प्रताप

भारतीय जनता पार्टी जिस संगठन का मैं हिस्सा हूं उस संगठन में ऐसा नहीं होता। हमारे दल में सभी कार्यकर्ता हैं और सभी एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए सबके यहां आते जाते हैं चाहे माननीय मंत्री हो सांसद हो अथवा विधायक हों।

Like Comment Share

शेष, पृष्ठ 6-7

संपादकीय

आर्थिक वृद्धि को देंगे धार

लाल किले के प्राचीर से राष्ट्र को लगातार 12वीं बार संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बड़ी घोषणाएं की हैं। इन घोषणाओं से न केवल देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी बल्कि, ये भारत को एक अधिक सुरक्षित राष्ट्र बनाने में भी मददगार होंगी। प्रधानमंत्री ने जो बड़ी घोषणाएं की हैं उनमें अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए एक कार्यबल का गठन करना भी शामिल है। यह कार्य बल एक निश्चित समय सीमा में आर्थिक गतिविधियों से संबंधित कानूनों, नियम-शर्तों एवं प्रक्रियाओं की समीक्षा करेगा।

किंतु याद रहे कि पीएम मोदी ने पहले एक विनियमन आयोग की स्थापना की भी बात कही थी मगर इस दिशा में कोई प्रगति नहीं हो पाई। नियम एवं दिशानिर्देशों की व्यापक समीक्षा से कारोबार संचालन में सुगमता काफी बढ़ सकती है। सरकार अब इस पर काम भी कर रही है और लगभग 40,000 से अधिक अनावश्यक प्रावधान और 1,500 से अधिक पुराने कानून निरस्त कर चुकी है। हालांकि, 21वीं शताब्दी की आवश्यकता के अनुरूप नियम एवं दिशानिर्देशों को धार देने के लिए एक व्यापक समीक्षा की जरूरत है। इस प्रक्रिया में राज्यों को भी अवश्य साथ लिया जाना चाहिए। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में अगले चरण के सुधारों को लेकर भी बड़ी घोषणा हुई है। जीएसटी व्यवस्था में संभवतः ज्यादातर वस्तु एवं सेवाएं दो कर श्रेणियों (5 फीसदी और 18 फीसदी) में आ जाएंगी, जबकि हानिकारक वस्तुओं के लिए 40 फीसदी की एक अलग कर श्रेणी तैयार की जाएगी। यह कदम जीएसटी में कर संरचना सरल बना देगा और नियमों का अनुपालन भी मजबूत हो जाएगा। कुछ अन्य श्रेणियां वर्गीकरण एवं प्रक्रियात्मक विषयों से भी संबंधित होंगी। कर संरचना सरल बनाने और दरों को सुसंगत बनाने की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी मगर जिस संरचना का प्रस्ताव दिया गया है उसमें राजस्व के आंकड़ों पर असर पड़ सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए राजस्व से जुड़े पहलुओं का बेहतर तरीके से प्रबंधन करना होगा। प्रधानमंत्री ने भारत की व्यापक आर्थिक स्थिरता का भी जिक्र किया, जो वर्ष 2014 से सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में एक रही है। कोविड महामारी के बाद राजकोषीय मजबूती पर सरकार के ध्यान और व्यय की उच्च गुणवत्ता के बाद रेटिंग एजेंसी एसऐंडपी ग्लोबल ने 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद भारत की सॉवरिन रेटिंग बढ़ा दी है। रेटिंग में सुधार से भारत निवेश के दृष्टिकोण से आकर्षक हो जाएगा विशेषकर, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ जाएगी। हालांकि, निकट अवधि में निवेश की दशा एवं दिशा अमेरिका के साथ व्यापार के मोर्चे पर जारी तनाव से प्रभावित होगी। फिलहाल देश की आर्थिक वृद्धि के लिए व्यापार से जुड़ी अनिश्चितता सबसे बड़ा खतरा है। इसी संदर्भ में मोदी ने कहा है कि भारत अपने किसानों के हितों की रक्षा के साथ कभी समझौता नहीं करेगा। ऐसी खबरें आती रही हैं कि अमेरिका के साथ जारी व्यापार वार्ता में कृषि क्षेत्र दोनों देशों के बीच असहमति की एक बड़ी वजह रही है। रूस से तेल आयात के लिए अमेरिका ने जब से भारत पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की बात कही है तब से स्थिति और पेचीदा हो गई है। इसमें कोई शक नहीं कि भारत को अपने किसानों के हितों की रक्षा करने की आवश्यकता है क्योंकि यह क्षेत्र देश की आधी आबादी के लिए जीविकोपार्जन का प्रमुख स्रोत है। मगर यह क्षेत्र अन्य देशों के साथ भी व्यापार वार्ताओं में विवाद का एक प्रमुख विषय रहा है। लिहाजा, सही संतुलन स्थापित करने के लिए स्थिति का मूल्यांकन बेहद आवश्यक है। यह माना जा रहा था कि ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री सुरक्षा से जुड़े विषयों पर भी बात करेंगे।

लाल किले के प्राचीर से राष्ट्र को लगातार 12वीं बार संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बड़ी घोषणाएं की हैं। इन घोषणाओं से न केवल देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी बल्कि, ये भारत को एक अधिक सुरक्षित राष्ट्र बनाने में भी मददगार होंगी।

जीएसटी के ढांचे में व्यापक सुधार से बाजार में बढ़ेगी मांग

एसएंडपी रेटिंग अपग्रेड व जीएसटी सुधार से बाजार को मिलेगी गति

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिवाली से पहले जीएसटी के ढांचे में बड़े सुधारों का एलान किया। बाजार विशेषज्ञ का मानना है कि भारतीय शेयर बाजार अब ऐतिहासिक एसएंडपी रेटिंग अपग्रेड करने, आगामी जीएसटी सुधारों, ट्रंप-पुतिन के बीच बातचीत से संभावित भू-राजनीतिक स्थिरता के कारण सकारात्मक दिशा में अग्रसर है। विशेषज्ञ कहते हैं कि जीएसटी में व्यापक सुधार केवल इसे आसान नहीं बनाएगा बल्कि यह कदम ऑटो, स्टेपल, टिकाऊ वस्तुओं, सीमेंट, वित्तीय और उपभोक्ता सेवाओं के लिए मांग समीकरणों को सीधे बदल सकता है। ये वो क्षेत्र हैं जो वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में कंपनियों की आय में सुधार के चक्र का नेतृत्व कर सकते हैं।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के प्राइम रिसर्च प्रमुख देवर्ष वकील कहते हैं, पिछले साल जुलाई 2024 से भारत के बेंचमार्क सूचकांकों ने वैश्विक सूचकांकों की तुलना में कम प्रदर्शन किया है, सालान आधार पर (जुलाई 2024-जुलाई 2025) 0.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है, जबकि अमेरिका और अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों ने इस अवधि में पर्याप्त लाभ दर्ज किया है। शेयर बाजारों के कम प्रदर्शन के मुख्य कारण बढ़ा हुआ मूल्यांकन, कमजोर आय, विदेशी संस्थागत निवेशकों का पूंजी निकालना, अमेरिकी बॉन्ड पर बढ़ता प्रतिफल और भारत में आर्थिक मंदी को लेकर बढ़ती चिंता रही। लेकिन बाजार अब ऐतिहासिक एसएंडपी रेटिंग अपग्रेड करने, आगामी जीएसटी सुधारों,

ट्रंप-पुतिन के बीच बातचीत से संभावित भू-राजनीतिक स्थिरता के कारण सकारात्मक गति की ओर तेजी से अग्रसर है। 18 साल बाद एसएंडपी रेटिंग अपग्रेड करने से भारतीय शेयर बाजारों में विदेशी निवेश बढ़ सकता है, दिवाली तक जीएसटी 2.0 सुधारों से कर संरचनाएं और सुव्यवस्थित होंगी और उपभोगता संचालित क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। वकील कहते हैं भू-राजनीतिक घटनाक्रम, विशेष रूप से ट्रंप-पुतिन वार्ता के बाद रूस और यूक्रेन के बीच संभावित युद्ध विराम वैश्विक जोखिम को कम कर सकता है।

बाजार को ऊपर ले जाने में जीएसटी से जुड़े बदलावों की होगी अहम भूमिका : जियोजित इंवेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेशक रणनीतिकार, वीके विजयकुमार बताते हैं, बाजार के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं, जो बाजार को ऊपर ले जाने के लिए सहायक हो सकती हैं। दिवाली तक जीएसटी में अगले बड़े सुधारों की प्रधानमंत्री द्वारा घोषणा एक बड़ी सकारात्मक बात है। उम्मीद है कि अधिकतर वस्तुएं और सेवाएं 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के कर स्लैब में होंगी। ऑटो और सीमेंट जैसे सेक्टर जो मौजूदा समय में 28 प्रतिशत के कर स्लैब में हैं, को लाभ मिलने की उम्मीद है। बीमा कंपनियों को भी जीएसटी संशोधन से लाभ मिलने की उम्मीद है। एसएंडपी 500 द्वारा भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग में सुधार एक बड़ी सकरत्मक बात है। वहीं कुछ चिंताएं भी लगी हुई हैं, जिसमें भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता 27 अगस्त की समय सीमा से पहले होने की संभावना नहीं है। भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ की ट्रंप बाजार को परेशान कर रही है।

ऑटो, सीमेंट, वित्त व उपभोक्ता सेवाओं की मांग में हो सकता है इजाफा : रिसर्च कंपनी मोतीलाल ओसवाल के अनुसार सरकार द्वारा घोषित 2.0 के जीएसटी सुधारों में उपभोग की गतिशीलता को फिर से शुरू होने और कई क्षेत्रों को लाभ मिलने की संभावना है। सुधार केवल एक व्यापक बढ़ावा नहीं है। वे ऑटो स्टेपल, टिकाऊ वस्तुओं, सीमेंट, वित्तीय और उपभोक्ता सेवाओं के लिए मांग समीकरणों को सीधे बदल सकता है।

पीएम विकसित भारत रोजगार योजना पोर्टल लॉन्च

नियोक्ताओं और पहली बार नौकरी करने वालों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को प्रधानमंत्री विकासशील भारत रोजगार योजना (पीएमवीबीआरवाई) पोर्टल लांच किया। केंद्रीय मंत्री मनसुख एल मंडाविया ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने नियोक्ताओं और पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों से एक लाख करोड़ रुपये की इस केंद्रीय योजना का लाभ उठाने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1 जुलाई, 2025 को रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी।

केंद्रीय श्रम व रोजगार मंत्री ने बताया है कि लगभग 1 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ, केंद्र की इस योजना का लक्ष्य 1 अगस्त, 2025 से 31 जुलाई, 2027 तक 2 वर्षों की अवधि में देश में 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियों के सृजन को बढ़ावा देना है।

उन्होंने कहा कि सभी नियोक्ता और पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारी इस योजना के अंतर्गत आते हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति पोर्टल पर पंजीकरण करके या उमंग ऐप पर अपना यूएएन नंबर अपलोड करके प्रोत्साहन लाभ प्राप्त कर सकता है। मंडाविया ने कहा कि योजना का भाग ए पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों के लिए है, जबकि भाग बी नियोक्ताओं को सहायता प्रदान करता है।

उन्होंने बताया कि भाग ए के तहत पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को औसतन एक महीने के वेतन (बेसिक+डीए) के बराबर 15,000 रुपये तक का एकमुश्त प्रोत्साहन दो किस्तों में दिया जाएगा।

नियोक्ता तीन स्लैब के तहत प्रोत्साहन पाने का हकदार है। अगर किसी कर्मचारी का वेतन 10,000 रुपये प्रति माह है, तो नियोक्ता को 1,000 रुपये का प्रोत्साहन मिलेगा। 10,000-20,000 रुपये के बीच मासिक वेतन वाले कर्मचारी के नियोक्ता को 2,000 रुपये का प्रोत्साहन मिलेगा। जिन नियोक्ताओं के नए कर्मचारी का वेतन 30,000 रुपये तक है, उन्हें 3,000 रुपये का एकमुश्त प्रोत्साहन मिलेगा।

राशिफल

मेष : आज का दिन आपको अमीर और प्रसिद्ध बना सकता है। हालांकि, यह आपके जीवनसाथी के स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है।

वृष : आज आपको किसी विशेष कार्य में लाभ होगा। भाई-बहनों से आपके संबंध सुधरेंगे। जीवनसाथी आपकी बातों से प्रभावित होगा।

मिथुन : आप किसी बड़े से अपने पैसे और अपने पेशे से जुड़े सुझाव ले सकते हैं, जो आज फायदेमंद साबित होगा। आज आप घर में खुशी का दिन बिताएंगे।

कर्क : आज का समय आपके लिए कठोर हो सकता है और आप किसी काम को पूरा करने में असमर्थ हो सकते हैं।

सिंह : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। ऑफिस में सबके साथ बेहतर तालमेल रहेगा। अचानक नए स्रोतों से धन लाभ होगा।

कन्या : आज आप अध्यात्म की ओर आकर्षित होंगे। बिना सोचे समझे कोई भी निर्णय जल्दबाजी में न लें अन्यथा बाद में पछताना पड़ेगा।

तुला : भाग्य आपका पूरा साथ देगा। आपका साहस और बुद्धि चरम पर होगी। सामाजिक लोकप्रियता बढ़ेगी। ऑफिस में सीनियर आपके काम की तारीफ करेंगे।

वृश्चिक : आज आपको किसी काम में किसी अनुभवी व्यक्ति का सहयोग मिलने की संभावना है। परिवार वालों के साथ खरीदारी का प्लान बनाएंगे।

धनु : आज आपको अपने मित्रों और सहकर्मियों से कोई मदद नहीं मिल सकती है, यह आपको निराश करेगा। अति क्रोध और आवेश से बचें।

मकर : आप अपना काम करते हुए आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। धन लाभ के संकेत हैं और आप आय का एक अतिरिक्त स्रोत भी स्थापित कर सकते हैं।

कुंभ : आज आप अपने लिए कोई नया प्लान बना सकते हैं। घरेलू समस्याओं का शांतिपूर्ण समाधान निकालने में आप सफल रहेंगे।

मीन : आज किसी सामाजिक कार्यक्रम में कोई आपको मजाक का विषय बना सकता है। अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें।

चुटकुले

आजकल सोशल मीडिया पर
इतने ग्रुप बने हुए हैं...
सोच रहा हूं कि ग्रुप में ही एक रूम ले लूं...
बार-बार आने-जाने से काफी
थक जाता हूं मैं...

कन्याओं से निवेदन है कि लड़कों का दिल न
तोड़ें, आपका एक फैसला
नशा मुक्त भारत का निर्माण कर सकता है...

बाकी सब तो ठीक है पर ये...
लड़कियों के मोजे में अंगूठा अलग
से क्यों लगाते हैं?
ये कौन सी सुविधा है जो हम पुरुषों को वंचित
रखा जा रहा है...?

क्वांटास एयरवेज पर छह करोड़ डॉलर का जुर्माना

कोविड महामारी के दौरान एयरलाइन ने नौकरी से निकाले थे 1800 कर्मचारी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी एयरलाइन क्वांटास एयरवेज को सोमवार को बड़ा झटका लगा। एक अदालत ने कोविड-19 महामारी के दौरान 1,800 ग्राउंड स्टाफ को अवैध रूप से बर्खास्त करने से जुड़े मामले में एयरलाइन पर 90 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (6 करोड़ डॉलर) का रिकॉर्ड जुमार्ना भरने का आदेश दिया। अदालत ने पश्चाताप की भावना न होने के कारण एयरलाइन की आलोचना भी की।

ऑस्ट्रेलिया के श्रम कानूनों के इतिहास में किसी कंपनी पर अदालत की ओर से लगाया गया यह सबसे बड़ा जुमार्ना है। अपना फैसला सुनाते हुए संघीय न्यायालय के न्यायाधीश माइकल ली ने एयरलाइन की मुकदमेबाजी रणनीति की भी आलोचना की।

हालांकि क्वांटास ने इस मामले में अपने बोर्ड और प्रबंधन टीम में परिवर्तन भी किए लेकिन ली ने कहा कि एयरलाइन की ओर से व्यक्त किए गए खेद के भाव, श्रमिकों को हुए नुकसान के प्रति पश्चाताप के बजाय, मामले से कंपनी को हुए ह्लनुकसानह्व से अधिक जुड़े हुए प्रतीत होते हैं।

उन्होंने कहा, मैं स्वीकार करता हूं कि क्वांटास को खेद है, लेकिन मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि खेद का यह स्तर, गलत प्रकार नहीं है।ह्व ली ने कहा कि जुमार्ने का आकार, जो कि उनके द्वारा निर्धारित अधिकतम राशि का लगभग 75% है, यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण था कि इसे व्यापार करने की लागत के रूप में नहीं देखा जा सके।

उन्होंने कहा कि जुमार्ने की 50 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की राशि ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यूनियन (टीडब्ल्यूयू) को दी जाएगी, जिसने क्वांटास के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। निर्णय के बाद, टीडब्ल्यूयू के राष्ट्रीय सचिव माइकल केन ने कहा, सभी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, हमने एक विशालकाय संगठन का मुकाबला किया... जिसने स्वयं को निर्दयी सिद्ध किया था, और हम जीत गए।

रोचक तथ्यों का करंट

- क्या आप जानते हैं? बांस का आकार प्रजातियों पर निर्भर करता है। बांस की सबसे बड़ी प्रजाति 1300 फीट की ऊंचाई तक पहुंच सकती है।
- बांस के फूल को शायद ही कभी देखा जा सकता है। आपको जानकर आश्चर्य होगा की बांस के कुछ प्रजातियों में 65 या 120 साल बाद फूल विकसित होते हैं। बांस के फूलों के बारे में दिलचस्प तथ्य यह है कि एक जैसी बांस प्रजाति के सभी पौधे एक ही समय में फूल विकसित करते हैं, चाहे वे दुनिया में कहीं भी हों।
- विशाल पांडा में मांस आधारित आहार के लिए सभी आवश्यक उपकरण हैं लेकिन यह एक जीन खो गया है जो उमामी रिसेप्टर के लिए एन्कोड करता है। मांस के लिए इनका कोई स्वाद नहीं है और इसीलिए ये खुशी-खुशी केवल बांस पर ही जीवित रहते हैं।
- कंबोडिया के कुछ हिस्सों में लोगों ने अपने जरुरी कामों को करने के लिए बांस से अपनी रेलगाड़ियों को बना दिया है, क्योंकि वहां नियमित रेल सेवाएं चलना बंद हो गई हैं।
- क्या आप जानते हैं? ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने 27 ब्रिटिश प्रधानमंत्री शिक्षित किए हैं।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

19 08 2025 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

नंदना सेन
अभिनेत्री

काव्या माथुर

तनिष्क शर्मा

रोसिल हूण

कल्पना माहेश्वरी

दीपांशु त्यागी

मनीष त्यागी

सौरभ त्यागी

सक्षम तेवतिया

मोनू अल्वी

मोहन ठाकुर

मोहित ठाकुर

शिवम तिवारी

प्रकाश पांडेय

राकेश पाल सिंह

राजन चौधरी

विक्की चौधरी

राहुल मुद्गल

योगेश शर्मा एड.

भूपेन्द्र कुमार सेन

पुश्कल सिंह

विक्की चौधरी

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

कुत्ता सामने आ जाने पर बाइक सहित गिरी महिला दारोगा, इलाज के दौरान मौत

पुलिस विभाग में शोक, कविनगर में तैनात थीं दारोगा रिचा सचान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एक अत्यंत दुखद घटना में कविनगर थाने में तैनात महिला दारोगा की मौत हो गई है। मृतक महिला दारोगा का नाम रिचा सचान है। वह रात दो बजे अपनी बुलेट मोटरसाइकिल से शास्त्रीनगर आ रही थी तभी सडक पर कुत्ता आ जाने से वह गिर गई। उनके सिर पर गंभीर चोट लगी।

उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मूलरूप से कानपुर की रहने वाली रिचा सचान महिंद्रा एन्क्लेव में किराए के मकान में रहती थी। रात दो बजे ड्यूटी कर वह घर लौट रही थी तभी शास्त्रीनगर के कार्टे चौक पर कुत्ते को बचाने के चक्कर में बुलेट सहित गिर गई। उनके सिर पर गंभीर चोट लगी।

जानकारी के अनुसार, पिछले साल भी एक्सीडेंट हुआ था जिसमें पर और हाथ में गंभीर चोट आई थी। सड़क दुर्घटना रात करीब 1 से 1:30 बजे के आसपास की बताई जा रही है। थाने से ड्यूटी खत्म करके घर लौट रही थी। इसी दौरान कार्टे चौक के पास अचानक से कुत्ता बाइक के आगे आ गया। जिससे अनियंत्रित होकर बाइक गिरी और वह कार से जाकर टकरा गई। सिर पर चोट आने से हालत गंभीर

हो गई। सर्वोदय अस्पताल में काफी देर इलाज चला लेकिन चिकित्सक बचा नहीं पाए। एसीपी कवि नगर ने कहा है कि शाम को पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। महिला उप निरीक्षक की सड़क हादसे में अल्प आयु में मृत्यु होने से उसके साथी और विभाग के अधिकारी काफी शोक में हैं।

युवा महानगर उद्योग व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह आयोजित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मिलन ऐंबियंस वेंकट, गाजियाबाद में महानगर उद्योग व्यापार मंडल गाजियाबाद के अध्यक्ष गोपीचंद, जिलाध्यक्ष रामकिशोर अग्रवाल, महामंत्री अशोक चावला व अन्य पदाधिकारियों की सहमति से युवा महानगर व्यापार मंडल का पुनर्गठन किया गया। संसद अतुल गर्ग, पूर्व सांसद राज्यसभा अनिल अग्रवाल, विधायक संजीव शर्मा, जिलाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री राम किशोर अग्रवाल एवं महानगर अध्यक्ष गोपीचन्द ने संयुक्त रूप से युवा के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।

शपथ लेने वालों में प्रमुख रूप से चेयरमेन मनोज गर्ग, अध्यक्ष विपिन गोयल, वरिष्ठ महामंत्री पंकज गुप्ता, महामंत्री क्रमशः वसीम अली, हितेन्द्र शर्मा , डॉ॰ हरीश शर्मा एवं संजीव गुप्ता व कोषाध्यक्ष पद पर अनित मदान ने शपथ ग्रहण की। इसके अतिरिक्त 165 युवा साथियों को युवा कार्यकारिणी का सदस्य मनोनीत कर शपथ दिलाई गई। महानगर अध्यक्ष गोपीचंद, महानगर चेयरमैन बृजमॉन सिंघल, प्रांतीय युवा महामंत्री राजदेव त्यागी ,युवा चेयरमैन मनोज गर्ग ने युवा के सभी पदाधिकारियों को मनोनीत होने पर बहुत बहुत बधाई दी एवं शुभकामनाएं दी।

अतुल गर्ग द्वारा जीएसटी के मुद्दे को संसद भवन उठाने पर कर्तल ध्वनि से सभी ने स्वागत किया। कार्यक्रम में महानगर चेयरमैन बृजमोहन सिंघल, अध्यक्ष गोपीचंद, महामंत्री अशोक चावला। कोषाध्यक्ष नरेश अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष क्रमशः सुनील गोयल, राजदेव त्यागी, उपाध्यक्ष संजीव मित्तल, सुधीर गोयल, राकेश बोबेजा। सांसद प्रतिनिधि राजेन्द्र मित्तल (मेहंदी वाले) सांसद प्रतिनिधि राहुल गोयल, शास्त्री नगर से सुधीर चौधरी, कुंवर पाल सिंह, डासना गेट से राजकुमार गर्ग, पदम सिंह, नवयुग मार्केट से संदीप गर्ग, गिरिराज, घूकना मोड़ से नीरज त्यागी, सेक्टर 23 से प्रदीप गर्ग, राजा त्यागी, प्रकाश गुप्ता, प्रवेश गुप्ता, रितेश अग्रवाल, बबलू सिंह, घंटा घर से विजय ढींगरा, मोहित कक्कड़, राजेश लोहिया, विजयनगर से राकेश कौशिक, राकेश गुप्ता, पवन शर्मा, नितिन वर्मा, गाँधीनगर से राकेश चतुर्वेदी, सरदार मुखविंदर सिंह भाटिया, सौरभ महेन्द्रु, संजीव अरोड़ा, नीरज अरोड़ा, जगदीश यादव आदि सैकड़ों की संख्या में व्यापारीगण उपस्थित रहे। सभा की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री राम किशोर अग्रवाल ने कि व मंच का संचालन महानगर महामंत्री अशोक चावला ने किया।

एसआईआर और स्ट्रीट डॉग्स पर गरमाई सियासत

नरेंद्र कश्यप और अतुल गर्ग ने विपक्ष पर साधा निशाना

गाजियाबाद, करंट क्राइम। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार में स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने विपक्ष खासकर यूपीए गठबंधन और तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दलों को अपनी हार का अंदाजा हो चुका है, इसीलिए वे निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आयोग ने 65 लाख अवैध वोटर्स को हटाने का जो निर्णय लिया है, वह पूरी तरह से उचित है। वहीं स्ट्रीट डॉग्स पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर भी नरेंद्र कश्यप ने समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने जो रुख अपनाया है, वह जनहित में है क्योंकि स्ट्रीट डॉग्स के काटने से रैबीज के मामले बढ़ रहे हैं और कई बार जान बचाना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने नगर निगम और

सरकार से नीति बनाने की बात कही। लोक दल के नेता इंद्रजीत सिंह ने कोर्ट के आदेशों का सम्मान करते हुए कहा कि स्ट्रीट डॉग्स के लिए बनाए जाने वाले शेल्टर होम में खाने-पीने और रहन-सहन की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इंसान की तरह जानवरों का जीवन भी मूल्यवान है और इनके लिए निगरानी समिति बननी चाहिए। सांसद अतुल गर्ग ने विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि पहले चुनावों में बोगस वोटिंग होती थी, तब किसी ने सवाल नहीं उठाया। अब जब चुनाव आयोग निष्पक्षता के साथ काम कर रहा है, तब बेबुनियाद आरोप लगाए जा रहे हैं।

स्ट्रीट डॉग्स को लेकर उन्होंने कहा कि जो लोग अपने आपको डॉग लवर कहते हैं, उन्हें चाहिए कि वे इन कुत्तों को घर ले जाकर पालें। साथ ही उन्होंने कहा कि जैसे अनाथालय बुजुर्गों और बेसहारा लोगों के लिए बनाए गए हैं, वैसे ही डॉग शेल्टर भी जरूरी हैं। हालांकि उनके बयान, जिसमें उन्होंने कुत्तों की तुलना अनाथालय में रहने वाले इंसानों से की, को लेकर विवाद भी खड़ा हो गया है।

अतुल गर्ग के बयान के बाद विपक्ष ने उन्हें संवेदनहीन बताते हुए माफी की मांग की है। हालांकि सांसद ने अपने बयान पर सफाई देने से इनकार कर दिया।

नूरनगर में 600 वर्ग मीटर में बने मैरिज होम को जीडीए ने किया ध्वस्त

एक बड़े हिस्से में पक्का निर्माण करते हुए डाली जा रही थी छत

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अतुल वत्स के द्वारा अवैध निर्माण पर नियंत्रण हेतु दिए गए आदेश के क्रम में सोमवार को प्रवर्तन जोन एक प्रभारी के नेतृत्व में नूर नगर सिहानी के खसरा संख्या 838 के लगभग 600 वर्ग मीटर एरिया में अनाधिकृत तरीके से मैरिज होम का निर्माण किया जा रहा था, एक बडे हिस्से में पक्का निर्माण करते हुए छत डाली जा रही थीं, उसे पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया। सोनू त्यागी पुत्र जयपाल सिंह को इससे पूर्व

भी चेतावनी दी गई थीं कि किसी तरह का स्थायी निर्माण न किया जाए। कार्रवाई के दौरान प्राधिकरण के प्रवर्तन अनुभाग के प्रभारी ने चेतावनी दी कि अवैध निर्माण/अनाधिकृत कालोनी किसी भी स्थिति में बर्दास्त नहीं किया जायेगा । इसके साथ साथ कुछ अस्थायी अतिक्रमण पर भी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। इस दौरान प्रवर्तन अनुभाग के तमाम स्टाफ के साथ प्राधिकरण का पुलिस दस्ता और थाना पुलिस के जवान भी उपस्थित रहे।

जनपद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित

कुल 132 शिकायतें प्राप्त, मौके पर 7 का निस्तारण

हर शिकायत का समयान्तराल में पूर्ण गुणवत्ता के साथ किया जाए निस्तारण : अभिनव गोपाल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शासनादेश के मद्देनजर माह के प्रथम व तृतीय शनिवार हो सम्पूर्ण समाधान दिवस मनाया जाता है जिसके क्रम में जनपद गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया।

मोदीनगर तहसील : मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में मोदीनगर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। कहा कि हर शिकायत का समयान्तराल में पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारण किया जाना सुनिश्चित किया जाएं। इस दौरान 40 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से मौके पर 02 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान सीएमओ डॉ.अखिलेश मोहन, एसडीएम श्री अजीत सिंह, तहसीलदार, पुलिस अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

सदर तहसील : एडीएम सिटी श्री विकास कश्यप की अध्यक्षता में सदर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। इस दौरान कुल 19 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें मौके पर 03 शिकायतों का निरस्तारण किया गया। इस दौरान एसडीएम अरूण दीक्षित, तहसीलदार, पुलिस अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोनी तहसील : आईएएस दीपक, ज्वॉइंट मजिस्ट्रेट / उपजिलाधिकारी लोनी की अध्यक्षता में लोनी तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 73 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 02 शिकायतों का निस्तारण किया गया।

इस दौरान तहसीलदार, पुलिस अधिकारी, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। इस प्रकार जनपद की तीनों तहसीलों में 154 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 10 शिकायतों का निस्तारण हुआ।

निगम की भूमि पर बनी 12 दुकानों को किया गया ध्वस्त

एक करोड़ की भूमि को कराया गया कब्जा मुक्त

अवैध दुकान बनाने वालों पर लगेगा 57 लाख का जुर्माना

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर निगम संपत्ति विभाग द्वारा न्यायालय उपजिलाधिकारी गाजियाबाद के आदेश के क्रम में अवैध अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्यवाही की गई है। मोहन नगर जोन स्थित अर्थला में राधा कृष्ण मंदिर के समीप अवैध रूप से कब्जा करते हुए 12 दुकान बनाई गई थी जिस पर कार्यवाही करते हुए दुकानों को ध्वस्त करने का निर्णय हुआ, जोनल प्रभारी मोहन नगर आरपी सिंह के द्वारा संपत्ति विभाग के साथ मिलकर संयुक्त रूप से कार्यवाही की गई तथा दुकानों को ध्वस्त किया गया 12 में से आठ दुकानों को ध्वस्त किया गया शेष चार दुकानों पर भी ध्वस्तिकरण की कार्यवाही आज की जाएगी। अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव द्वारा बताया गया कि माननीय महापौर तथा नगर आयुक्त के निर्देश के क्रम में लगातार शहर में निगम की भूमि को कब्जा मुक्त कराया जा रहा है। इसी क्रम में अर्थला में खसरा नंबर 1064 पर बनी हुई दुकान जो कि अवैध रूप से बनी हुई थी माननीय न्यायालय उप जिलाधिकारी गाजियाबाद द्वारा दिए गए आदेश के क्रम में कार्यवाही की गई लगभग 200 वर्ग मीटर क्षेत्रफल कब्जा मुक्त कराया उक्त भूमि लगभग 1 करोड़ की आंकी जा रही है। बताया जा रहा है काफी समय से कब्जा चला आ रहा था जिसकी शिकायत लगातार प्राप्त हो रही थी समस्या के निस्तारण के क्रम में कार्यवाही कराई गई निगम की भूमि को कब्जा मुक्त कराया गया। निगम की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करते हुए दुकान बनाने वालों पर 57 लाख का जुर्माना भी क्षतिपूर्ति हेतु लगाया गया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह का मालिक द्वारा बताया गया कि शहर हित में निरंतर निगम की भूमि हो कब्जा मुक्त करने की कार्यवाही चल रही है शहर में ऐसे वार्ड जहां निगम की भूमि है वहां अभियान के रूप में कार्य करते हुए संपत्ति विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही है, मौके पर संपत्ति अधीक्षक रामशंकर व अन्य टीम उपस्थित रही '

डीजीपी को सौंपी गई फतेहपुर के विवादित मकबरे पर उपद्रव की रिपोर्ट, दोषियों पर होगी कार्रवाई

लखनऊ। रिपोर्ट का परीक्षण करने के बाद इसे गृह विभाग को भेजा जाएगा जिस पर सीएम के निर्देश पर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। मामले में स्थानीय नेताओं, संगठनों की भूमिका सामने आई है और पुलिस अफसरों की लापरवाही का भी जिक्र है।

फतेहपुर में विवादित मकबरे को लेकर हुए बवाल की रिपोर्ट डीजीपी मुख्यालय को सौंप दी गई है। परीक्षण के बाद रिपोर्ट गृह विभाग को भेजी जाएगी। इसके बाद दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई का फैसला सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर होगा।

सूत्रों की मानें तो रिपोर्ट में हिंदूवादी संगठनों, स्थानीय नेताओं के साथ प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों की लापरवाही का जिक्र है। बता दें, शासन ने मकबरे में 11 अगस्त को हुए बवाल के मामले की जांच का जिम्मा प्रयागराज के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत और आईजीरेंज प्रयागराज अजय मिश्रा को सौंपा था। दोनों ने करीब छह दिन तक घटनास्थल का मौका मुआयना करने के साथ सभी पक्षों और अधिकारियों के बयान दर्ज किए, जिसके बाद 80 पन्नों की विस्तृत रिपोर्ट सौंपी है। सूत्रों के मुताबिक रिपोर्ट में मकबरा की जमीन गाटा संख्या 753 का जिक्र कर राष्ट्रीय संपत्ति बताया गया है। इसका मालिकाना हक उप्र सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड में दर्ज होने का उल्लेख है। रिपोर्ट में गाटा संख्या 1159 का भी जिक्र है जिसके छठवें नंबर पर ठाकुर जी विराजमान मंदिर का ब्योरा दर्ज है। रिपोर्ट में इसे लेकर विवाद होने का उल्लेख भी किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछली सरकारों द्वारा इस मामले में कोर्ट के किसी भी फैसले के खिलाफ अपील नहीं की। वहीं 11 अगस्त को डाक बंगले से लेकर मकबरे तक पुलिस ने भीड़ को रोकने की कोशिश नहीं की। विवाद की जानकारी के बावजूद दोनों पक्षों से बातचीत कर मामला सुलझाया नहीं गया।

डिप्टी सीएम केशव व ब्रजेश पाठक की 45 मिनट लंबी मुलाकात

लखनऊ। लखनऊ में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की लंबी मुलाकात के बाद अटकलों और चर्चाओं का बाजार गर्म है। अचानक हुई मुलाकात से सत्ता पक्ष ही नहीं, विपक्षी खेमे में भी हलचल पैदा कर दी है। सपा से निष्कासन के बाद पूजा पाल की सीएम योगी आदित्यनाथ से हुई मुलाकात को लेकर सियासी अटकलें तेज हैं।

इस बीच सोमवार को दोनों उप मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की मुलाकात ने नई अटकलों को जन्म दे दिया है। दोनों नेताओं की मुलाकात की वायरल फोटो में बातचीत के दौरान दोनों के चेहरे की भाव-भंगिमा देखकर सियासी गलियारों में समीक्षा शुरू हो गई है।

हिंडन मोक्ष स्थली पर लगनी चाहिए सोलर लाइट: पार्षद नीरज गोयल

बीते दिनों जिला जज का मोबाइल लाइट में किया गया था दाह संस्कार

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। हिंडन मोक्ष स्थली पर सोलर लाइट लगाई जाने के लिए पार्षद नीरज गोयल ने नगरायुक्त विक्रमादित्य मलिक को पत्र लिख कर मांग की। पात्र के माध्यम से नीरज गोयल ने नगरायुक्त को बताया कि नगर क्षेत्र में सब से अधिक दाह संस्कार हिंडन मोक्षस्थली पर करने के लिए क्षेत्रवासी पहुँचते है। अभी कुछ ही दिनों पहले जिला जज आशीष गर्ग की हृदय गति रुक जने के कारण मृत्यु हो गयी थी उन का दाह संस्कार रात्रि में हिंडन मोक्षस्थली पर किया गया था दुर्भाग्यपूर्ण उस समय लाइट चली गयी और दाह संस्कार अंधेरे में मोबाइल की लाइट में किया गया। नीरज गोयल ने बताया कि मुझे लगता है दाह संस्कार स्थल पर प्रकाश व्यवस्था सुचारू रूप से रहनी चाहिए। साथ ही दूसरी तरफ संभावना रहती है कोई असमाजिक व्यक्ति, तांत्रिक या कोई मासाहारी जानवर दाह संस्कार के लिए आयी बॉडी के साथ छेड़छाड़ कर सकता है यदि उचित प्रकाश रहेगा तो व्यवस्था ठीक रहेगी। नीरज गोयल ने मांग करते हुए बताया कि दाह संस्कार स्थल पर उचित प्रकाश हेतु प्रयाप्त संख्या में सोलर लाइट लगाई जानी चाहिए।

दैनिक करंट क्राइम ने जब किया कार्यकर्ता का ख्याल और रखा सवाल

सभी दलों के कार्यकर्ता आए आगे और रखी अपने मन की बात

नवनीत गुप्ता
छोटा कार्यकर्ता बड़ा कार्यकर्ता ना बन जाए।

मुशीर रशीद मंसूरी
चुनावों में अवश्य जाते हैं।

जगमोहन सिंह
भाटी जी क्या बात कह दी।

इंदू तोमर
सुधीर जी मैं आपसे सहमत हूं यह कुर्सी ही ऐसी बनी है बैठता नहीं है इंसान चिपक जाता।

सोनू भाटी
बड़े नेता छोटे कार्यकर्ता के घर इसलिए नहीं जाते क्योंकि वो अपनी बेइज्जती महसूस करते हैं। कुछ नेताओं में जातिवाद कूट कूट कर भरा हुआ है इसलिए वो छोटे कार्यकर्ताओं के यहां नहीं जाते। इन नेताओं को आलिशान बंगले वाले लोग पसंद हैं और किसी गरीब छोटे कार्यकर्ताओं की शादी हो तो भी नहीं जाते। ये शादी में भी उनकी जाते है जो आलिशान शादी होती हैं मगर इन्हें ये नहीं पता के यही छोटे कार्यकर्ता आप सबको चुनाव में जिताकर ले जाते है जिस दिन इन नेताओं ने ये तय कर लिया कि में सभी कार्यकर्ताओं को एक सामान मानूंगा और ऊच नीच का फर्क नहीं देखूंगा गरीबी और अमीरी का फर्क देखूंगा उस दिन कार्यकर्ता फूले नहीं समाएगा इसलिए कार्यकर्ताओं का सम्मान करना चाहिए जातिवाद में ना पडकर सभी को एक साथ लेकर चलना सीखें।

आशीष चंदेल
क्योंकि वहां शो ऑफ कम होता है ये ही हाल आज कल समाजसेवियों का वे भी वही शिरकत करते हैं जहां हवा बाजी होती है बस बाप बड़ा न भैया सबसे बड़ा रुपया।

महेन्द्र चौधरी
पूछ लिया ना, अब देखना।

परमजीत सिंह
छोटा कार्यकर्ता एक साधारण सा इंसान होता है उनके यहां जाने से क्या होगा जाओ या ना जाओ क्या फर्क पड़ता है। भाटी जी आप ने बहुत अच्छा प्रश्न पूछा है बड़े नेतृत्व से दिल की बात की है।

ठाकुर अनुज राघव
आपकी कलम ही कार्यकर्ता की बुलंद आवाज बन रही है। आपका धन्यवाद।

नरेश कश्यप
बहुत गंभीर विषय है आम कार्यकर्ता के यहां बड़े नेता इसलिए नहीं जाते क्योंकि उनको वहां से कुछ मिलने वाला तो है नहीं।

अक्षय वीर
क्योंकि सामान्य कार्य ना करना उन्हीं के मन में उनको बड़ा बनाता है। बड़े-बड़े नेता वाली फीलिंग ही बड़े लोगों से मिलने में आती है।

रजनी ढोंढियाल
जिनकी वजह से बने हैं उनका निरादर ही 5 वर्षों बाद डूब ले जाता हैं हा हा हा कोई तो हटकर करो राजनीति भीड़ बस चले चलो।

रविंद्र चौधरी
जो कार्यकर्ता कार्य करेगा उसके घर नहीं जाएंगे जो जी हजूरी करेगा उसके घर पहले जाएंगे।

सुनील जैन
सही कहा।

सुधीर चौधरी जाट
मैं सुधीर चौधरी भारतीय जनता पार्टी का 20 सालों से भाजपा कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रहा हूं सक्रिय रूप से भारतीय जनता पार्टी में मेरा पूरा परिवार कार्य कर रहा है राष्ट्रीय स्वयं संघ में भी मेरा पूरा परिवार है विभिन्न पदों पर रहा हूं लेकिन आज तक मेरे घर पर विधायक अध्यक्ष सांसद कोई नहीं आया क्योंकि मैं गरीब कार्य करता हूं ना वह कार्यकर्ता हूं जिसने इन सबको कुर्सी पर बैठा है जिसने इनको केंद्र में उत्तर प्रदेश में सरकार बनाई मैं वह कार्य करता हूं।

रंजना अग्रवाल
नेता तो नेताओं के घर जाते हैं सर।

अंकुश अरोड़ा
क्योंकि सामान्य कार्यकर्ता किराए के मकान में रहता है, उसका अपना घर प्रधानमंत्री आवास योजना में भी नहीं बन पाता है।

आकाश जैन
सामान्य कार्यकर्ता का महत्व बढ़ जाएगा इसलिए नहीं जाते।

विकास सिंह महरौली
भैया जी बड़े आदमी थोड़ा बिजी होते हैं तो इस लिए नहीं जा पाते होंगे।

हैदर मलिक
जी बिल्कुल सही कहा भाटी जी आपने काफी बार कहीं वरिष्ठ नेताओं को बुलाया भी तो इंकार कर दिया। बोल दिया गया कि बेटा अगली बार अगली बार दीपक भाटी।

अजय चोपड़ा
ऐसी बात नहीं है कि सभी नेता एक से नहीं होते हैं। कुछ नेता जमीन से जुड़े हुए होते हैं और कार्यकर्ता का दर्द पहचानते हैं। और उनके हर सुख-दुख में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। उनमें एक नाम शहर विधायक संजीव शर्मा जी का है। मैं समझता हूं कि यह वह नाम है जो हर कार्यकर्ता के साथ अपना भावनात्मक रिश्ता जोड़कर रखते हैं दिन हो या देर रात्रि तक हमेशा अपने छोटे से छोटे कार्यकर्ता का फोन उठाकर उनकी समस्या का समाधान करते हैं। अभी 4 दिन पहले ही एक पार्षद ने पोस्ट की थी कि ऐसे विधायक बहुत कम है जो मध्य रात्रि में भी फोन उठाकर कार्यकर्ता की बात सुनते हैं।

हिमांशु पराशर
हमारे शहर विधायक संजीव शर्मा जी हर छोटे से छोटे कार्यकर्ता के लिये उपलब्ध रहते हैं जब भी वो बुलाता है वहाँ पर जाते भी है यही उनकी विशेषता है।

शौकत कुरैशी
भाई साहब सादर प्रणाम माननीय भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वर्तमान में केंद्र सरकार में रक्षा मंत्री आदरणीय श्री राजनाथ सिंह मेरे यहां तीन-तीन बार आए हैं मुझ जैसे छोटे कार्यकर्ता के लिए यह बड़ा महत्व रखता है।

विश्वास त्यागी
सामान्य कार्यकर्ता मतलब दरी-कुर्सी बिछाने वाला, पोस्टर होल्डिंग लगाने वाला, नारे लगाने वाला होता है। अगर इनके घर बड़े नेता जाने लगे तो फिर यह काम कौन करेगा।

अरुण भड़ाना
बड़े नेता यदि कार्यकर्ता के यहां जाएंगे तो वह कार्यकर्ता उनके स्वागत अभिनंदन में अपनी जान लगा देगा और जब कार्यकर्ताओं को पब्लिक के काम करवाने नेता के यहां जाएंगे तो मजबूरन उन्हें काम करवाना पड़ेगा लेकिन नेता चाहते है कि कार्यकर्ता के घर जाएंगे तो कार्यकर्ता नेता बन जाएगा और हरेक नेता सिर्फ कुछ लिमिटेड लोगों को ही नेता के रूप में देखना चाहते है, और भाजपा गाजियाबाद में तो गुटबाजी चरम पर है जिसके चलते आम कार्यकर्ता काफी अपमानित और परेशानी झेलता है।

मुकेश राघव
हमारे लोकप्रिय विधायक बड़े भाई संजीव शर्मा जी को जब पता चलता है कि कोई कार्यकर्ता पर दुख है उसके घर जरूर जाते हैं और उनके दुख में शामिल होते हैं नेता दु:ख में बुलाये नहीं जाते स्वयं पहुंच जाते हैं ऐसे हैं लोकप्रिय विधायक संजीव शर्मा जी है।

अंकित गुप्ता
गाजियाबाद विधानसभा 56 में विधायक ही नहीं ईश्वर के अवतार मिले हैं जो गरीब से गरीब और छोटे से छोटे कार्यकर्ता को अपने दिल से लगाकर रखते हैं और उसकी परेशानी में दिन-रात खड़े रहते हैं इस अवतारी को हम बारंबार प्रणाम करते हैं। और आज भगवान श्रीकृष्ण हरि से कामना करते हैं कि 2027 में हमें इस विधानसभा में संजीव शर्मा जी ही विधायक चुने जाऐ और कैबिनेट मंत्री भी बने। माननीय संजीव शर्मा जी ज़िंदाबाद जिंदाबाद।

अमित राष्ट्रवादी
सामान्य कार्यकर्ता के घर जाकर भी आखिर क्या हासिल होगा ज्यादा से ज्यादा एक दो फोटो ज्यादा खींच जाएगी बस। लेकिन मेरा मानना है सामान्य कार्यकर्ता का जो भी काम हो उसके एक कहने पर उसका काम हो जाना चाहिए और उसका सम्मान होना चाहिए।

वीरू शर्मा
एक बड़े नेता जो एक गरीब से गरीब कार्यकर्ता के घर भी हो आते हैं जिन्हें हम प्यार से विधायक संजीव शर्मा कहते हैं।

क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा गढ़ के एक पूर्व विधायक कुछ भी कह दें हमें समझ नहीं आता है उनका रूप? हमने देखा, एक कार्यक्रम में जब खड़े थे कई पुरुष भगवाधारी? तब उन्होंने कुछ बात अलग से मारी? कहा- सभी भाई और बहन प्रणाम करें हमारा स्वीकार? कहने वाले ने कहा- भाई साहब जब यहां पर सभी पुरुष खड़े हैं तो फिर आपने क्यों रखा इस तरह का विचार? ये सुनकर आ गई उनके चेहरे पर मुस्कान? वो बोले- ज्यादा बात खुलवाओगे तो कई चेहरे हो जाएंगे परेशान?

क्यों कहा कहने वाले ने कि शहर वाले दे रहे हैं जब से मुरादनगर वाली रामलीला में दखल? सुना है, उनकी इस दखलअंदाजी ने नाराज की हुई हैं कईयों की शक्ल? देने वाले दे रहे हैं ये पैगाम, जब मुराद पूरी करने वाले उनके एरिये में झांकते नहीं तो फिर अपने एक मेंबर के लिये क्यों उठा रहे हैं वो सर पे आसमान? हमें पता है वो आदमी बहुत ही हैं नेक? मगर, सिर्फ उनका एक चहेता ही यहां पर नहीं रहता है, यहां पर भगवा चेहरे हैं अनेक?

क्यों कहा कहने वाले ने कि हम जब भी देखते हैं भगवा मिस्टर कूल संजीव गुप्ता का किरदार, हमें उनका अंदाज देखकर बहुत ही अच्छा लगता है यार? वैसे तो वो हैं हकीकत में नाइस मैन मगर, अपने प्रोडक्ट के माध्यम से उन्होंने गाजियाबाद को भी बना दिया है ब्रांड? हम चाहते हैं कि उनके नाम को लेकर होना चाहिए एक और टॉस? मिस्टर कूल, नाइस के मैन के साथ-साथ अब उन्हें बुलाना चाहिए बिग बॉस?

क्यों कहा कहने वाले ने कि प्रमुख साहब का व्यवहार सबको है भाता? हम देखते हैं कि वो अध्यात्म की बात से जोड़ते हैं सभी से नाता? सुना है आजकल वो कुछ तस्वीरें लेकर चलते हैं अपने साथ? इन्हीं तस्वीरों के माध्यम से वो करते हैं सामने वालों से मुलाकात? तस्वीर देकर वो सामने वाले के दिल में कर देते हैं अपनी तस्वीर तैयार? कहने वाले ने कहा- उनकी ये सादगी एक ना एक दिन जरूर दिलाएगी उन्हें मजबूत वाला किरदार?

क्यों कहा कहने वाले ने कि गागर में सागर भरने वाले नेताजी इस वक्त हो तो रहे होंगे कन्फ्यूज? क्योंकि उन्हें उस चेहरे से इस वक्त काफी मोहब्बत मिल रही है, जिनको वो एक समय कर रहे थे रिफ्यूज? सुना है, इन नेता ने अक्सर बड़ा दिल दिखाकर दी है इनको घर जाकर बधाई? ऐसी तस्वीरें हमें पहले भी हैं कई बार नजर आई? हमें लगता है अगर, मोहब्बत का सिलसिला रहा इसी तरीके से जारी, तो गागर में भरा सागर बह जाएगा पहलवान के दोस्त की ओर? फिर भले ही छूट जाए आने वाली कोई बड़ी जिम्मेदारी?

क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार के वार्ष्णेय जी ने बदल लिया है अपना अवतार? हम देख रहे हैं पहले वो भगवा थे, मगर अब उनका दिख रहा है खाकी वाला अवतार? अब वो पार्टी के कार्यक्रमों से ज्यादा आने वालों के आयोजन में देते हैं काफी ध्यान? लगता है, भगवा गढ़ के पॉलिटिक्स से उनका दिल भर गया है श्रीमान? हमें तो लग रहा है कहीं अपने कंधों पर स्टार लगाने का तो नहीं बना लिया है कोई प्रोग्राम?

क्यों कहा कहने वाले ने कि हमारी है एक भगवा दीदी, जिनमें दिखाई देती है हमें बहुत ही आशा? हमने देखा वो अपने किरदार से सबको खुश कर देती हैं, नहीं फील कराती है किसी को निराशा? सुना है, उन्होंने किसी को दे दिया है भूरे बाल वाला किरदार? हम कहीं पर खड़े थे, वो किसी को इन्हीं शब्दों से रही थी पुकार? कहने वाले ने कहा- नामकरण की ये बेला तभी चलती है, जब दोनों तरफ से होता है सामाजिकता वाला प्यार?

क्यों कहा कहने वाले ने कि इस बात का बाहर बज रहा है डंका? महामंत्री बनने की इच्छा रखने वाले एक ओबीसी चेहरे ने अपने बर्थ-डे पर एक पूर्व महामंत्री की लगा दी है जबर्दस्त लंका? सुना है उन्होंने इस चेहरे को लेकर भरे हैं बहुत ज्यादा किसी के कान? कान भरने की वजह से आ गया है उस चेहरे के सीने में तूफान? देखना अब ये है कि जब किसी ने इस कदर मूर्छित कर दिया है लक्ष्मण को, तो क्या करेंगे अब उनके राम? ये दुनिया सच्ची भी है और है झूठी? अब तो उम्मीद ही नहीं है, कोई ले आए लक्ष्मण के जख्मों को भरने के लिये कहीं से संजीवनी बूटी?

क्यों कहा कहने वाले ने कि वेस्टर्न वाले ठाकुर साहब की एक बात तो हम करते हैं स्वीकार? वो सम्मान के मामले में नहीं चूकते अपना किरदार? हमने देखा, जब वो हुए कविनगर रामलीला के भूमि पूजन में मौजूद? तब कार्यकर्ताओं से घिर गया उनका पूरा वजूद? खटाखट चलने लगे कैमरे के फ्लैश, मगर वो महसूस कर रहे थे कुछ गैप? तुरंत उन्होंने मारी भगवा योद्धा को आवाज, कहा- आप रहें हमारे ही साथ? कहने वाले ने कहा- इसलिये तो ठाकुर साहब की हमें लगती है अच्छी हर बात? भले ही उनके पूरे कार्यकाल में कुछ ना आया हो हमारे हाथ?

क्यों कहा कहने वाले ने कि विजयनगर की रामलीला से दूरी की उठ रही हैं चचाएं? कहने वाले कह रहे हैं हमारे धार्मिक विधायक उसमें क्यों नजर नहीं आए? देने वाले दे रहे हैं इसे राजनीति का रूप? उनकी अनुपस्थिति की चचाएं हो रही हैं खूब? तलाशे जा रहे हैं उनकी गैरमौजूदगी के सुबूत? चर्चा यही उठ रही है कि जब हो रहा था पूजन, तब वैष्णो देवी में थे सभी के डियर विधायक मौजूद?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

कौन से महकमें की इमारत फाईलों में बनकर हो गई तैयार

वैसे तो ये ऐसा महकमा है जिसके जिम्मे लोनी से लेकर मोदीनगर तक का विकास है। विकास की पहली ईंट लगेगी तो रोड़ा इसी के सुपरवाईजर लगायेंगे। सुना है कि इस महकमें के अधिकारियों ने महकमें का मुख्यालय फाईल में तैयार कर दिया है। महकमें के एक साहब रहे जिन्होंने 2023 में ये दावा किया था कि नए भवन में ही अब आजादी का झंडा लहरायेंगे। 23 से 25 आ गया मगर झंडा तो पुराने वाले भवन में ही लहराया जा रहा है। महकमें वाले बता रहे हैं कि नई वाली बिल्डिंग जब तैयार ही नहीं है तो झंडा कहां से लहरायेंगे। सवाल अब ये खड़ा हो गया अभी तक तो सियासत वाले झूठ बोलते थे लेकिन अब तो अफसरों के मुख से भी झूठे दावे होने लगे हैं। महकमा सूत्र बता रहे हैं बिल्डिंग भौतिक रूप से तैयार नहीं है लेकिन फाईल पर पूरी इमारत बुलंद है।

हैंडपम्प वाले सरदार जी क्यों हो रहे हैं भगवा विधायकों को लेकर उदार

हैंडपम्प वाले सरदार जी नेचर से बड़े सहयोगी हैं। समाजिक राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय खुलकर रखते हैं। कांग्रेस, सपा से होते हुए वो रालोद में पहुंचे हैं। जवानी यूथ कांग्रेस में गुजारी है और सपा में जाकर भी मन नहीं लगा और फिर वो हैंडपम्प वाली पार्टी में आये और सीधे जम्प राष्ट्रीय पद पर मारा। इन दिनों सरदार जी सहयोगी दल वाले अंदाज में हैं और वो भगवा विधायकों को लेकर अपने उद्गार प्रकट कर रहे हैं। शहर वाले विधायक से लेकर मुरादनगर वाले विधायक तक सरदार जी ने तारीफ की है। राजनीति में अगर दल सहयोगी है तो फिर तारीफ भी की जा सकती है। लेकिन सरदार जी का ये उदार रवैया कुछ हैंडपम्प वालों के उदर को पच नहीं रहा है। वो कह रहे हैं कि इतनी तारीफ तो किसी हैंडपम्प लीडर की सरदार जी ने नहीं की। जितनी तारीफ सरदार जी ने भगवा विधायकों की कर दी है। हैंडपम्प वाले ने ही कहा कि जो स्पीड सरदार जी ने पकड़ ली है उससे वो दिन दूर नहीं जब वो भाजपा के महानगर अध्यक्ष की भी इतनी प्रसंशा करेंगे कि हैंडपम्प वाले महानगर अध्यक्ष को ही भूल जायेंगे।

भूमि पूजन तो एक झांकी है और असली महाभारत अभी बाकी है

ओल्ड वाली रामलीला में सीन बोल्ड वाला हो रहा है। जिस रामलीला में चांदी का फावड़ा आया है उस रामलीला में सवा करोड़ के हिसाब का मामला बाहर आने को है। राम की लीला वाले जब मीटिंग करने बैठे तो एक पदाधिकारी ने सवा करोड़ का मामला उठा दिया। राम वाले बता रहे हैं कि अभी तो असली महाभारत बाकी है। वो बता रहे हैं कि हिसाब किताब तो देखा जायेगा। लेकिन कहानी का असली ट्विस्ट मंचन के दौरान मंच पर आयेगा। यहां बोल भी ये हैं कि आखिर सब अपने अपने रोल में रहे तो ठीक रहेगा। पद के हिसाब से ही कद अच्छा लगता है। रामलीला वाले बता रहे हैं कि दो पदाधिकारी ऐसे हैं जिनकी जेबों में अपने अपने वीआईपी की पर्चियां हैं। उन्हें अपने लोगों का सम्मान कराना है और मंच पर इसी सम्मान को लेकर घमासान मचेगा।

एक बाइक पर 4 युवकों का स्टंट, यातायात पुलिस ने काटा 26,500 का चालान, कार्रवाई की मांग की गई

हापुड़। हापुड़ के बुलंदशहर रोड पर एक बाइक पर सवार चार युवकों का खतरनाक स्टंट करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसके बाद पुलिस ने बाइक का 26 हजार 500 रुपए का चालान किया है। दरअसल, वीडियो में एक युवक ाइक पर खड़ा होकर स्टंट करता दिखाई दे रहा है। बाकी तीन युवक बाइक पर बैठे हुए हैं। सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी स्थानीय लोगों ने इस हरकत की निंदा की है। सोशल मीडिया यूजर्स ने वीडियो शेयर कर पुलिस से कार्रवाई की मांग की। यातायात प्रभारी छवि राम ने वायरल वीडियो का संज्ञान लिया। पुलिस ने बाइक का 26,500 रुपये का चालान काटा है। यह चालान बिना हेलमेट, ओवरलोडिंग और खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के लिए जारी किया गया है। वीडियो में दिख रहे युवकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। यातायात प्रभारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे ऐसी गतिविधियों से दूर रहें, जो खुद और दूसरों के लिए खतरनाक हो सकती है।

नोएडा में दो लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, एक की छत से गिरकर मौत

नोएडा। थाना फेस-2 और थाना फेस-3 क्षेत्रों से दो लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की घटनाएं सामने आई हैं। दोनों ही मामलों में पुलिस जांच में जुटी हुई है। पहली घटना थाना फेस-2 क्षेत्र के अंतर्गत याकूबपुर गांव की है, जहां एक कंपनी में कार्यरत 40 वर्षीय अजय यादव की छत से गिरकर मौत हो गई। पुलिस के अनुसार अजय यादव मूल रूप से फिरोजाबाद का रहने वाला था और वर्तमान में याकूबपुर गांव में रह रहा था।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कान्हा स्वरूप में बेहद खूबसूरत दिखाई दे रहे यह नन्हे मुन्ने बच्चे कृषग ओर रूहान हैं । यह नन्हे बालक प्रभु श्री कृष्ण की लीला को अपनी मोहक मुस्कान से मानो साक्षात दिखा रहे हैं। राकेश यादव के परिवार के इन बच्चों की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

दैनिक करंट क्राइम ने जब किया कार्यकर्ता का ख्याल और रखा सवाल

सभी दलों के कार्यकर्ता आए आगे और रखी अपने मन की बात

कपिल धामा
जाते हैं ना चुनाव आयेंगे तब जाएंगे फिर उनका फोन नहीं उठाएंगे।

प्राची शर्मा
अभी तक मैंने अपने घर पर किसी को निमंत्रण नहीं दिया है जिस दिन बड़े विधायक या कोई भी बड़ा कार्यकर्ता को बुलाऊंगा उसे दिन पता चलेगा वह मेरे घर आते हैं हां नहीं।

गगन सिंह अरोड़ा
मैंने ज़िंदगी में पहली बार देखा जब प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी जी और महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल जी, सचिन डेढ़ा भाई के यहाँ गए हाल चाल पूछने, देखकर अच्छा लगा।

ललित शिघनोत्री
सर बात यह नहीं है कि सामान्य कार्यकर्ता के यहां कोई बड़ा नेता नहीं जाता । बात यह है कि चुनाव के समय बड़े नेता सामान्य कार्यकर्ताओं के यहां तो जाते हैं परंतु चुनाव जीतने के बाद उन्हें यह भी याद नहीं रहता कि वह किसी कार्यकर्ता के यहां गए थे।

आदि प्रधान जीडी
माननीय भाई जाकिर अली विधायक जी, माननीय मदन भैय्या विधायक जी, माननीय विधायक सुरेश कुमार कश्यप जी, माननीय नेता जी श्री ईश्वर मावी जी, माननीय चेयरमैन श्रीमती रंजीता धामा, बड़े भाई प्रवेश बैसोया प्रमुख जी, बड़े भाई दिनेश गुर्जर, बड़े भाई रवि शंकर चंडेल जी, बड़े भाई इकरामुद्दीन अब्बासी पार्षद जी, बड़े राजेश बंसल जी, योगराज बंसल जी, सभासद भाई जगत सिंह जी आदि सभी ने मेरे परिवार के दु:ख के समय मेरा और मेरे परिवार का हौसला बढ़ाने का काम किया, आपका आगमन कृतज्ञ है।

अजय टंडन
जाता है भाई जी चुनाव में वोट मांगने।

प्रेमप्रकाश चिन्नी भाई
दीपक भाटी जी आपने बहुत अच्छा टॉपिक चुना है। हर कोई नेता सुरेंद्र गोयल जैसा नहीं बन सकता है। पहले नेता कार्यकर्ता के पास जाते थे और वोट मांगते थे। वर्तमान बड़े नेता कहते हैं आपके वोट से हम नहीं जीते तो वह कार्यकरता के घर क्यों जाएंगे। कार्यकर्ता के घर बड़ा नेता जाएगा तो बड़ा नेता क्यों कहलाएगा। आजकल बड़ा नेता उसे यूज एंड थ्रो करता है। कार्यकर्ता के घर जाना तो बहुत बड़ी बात है आजकल के नेता और प्रतिनिधि किसी की नमस्ते लेना हाथ मिलाना और उसके साथ फोटो खिंचवाना भी उचित नहीं समझते केवल एक या दो नेता इस अपवाद इससे बाहर हैं। आजकल जो अपने आप को नेता समझते हैं वह पहले कार्यकर्ता हुए करता थे और सुरेंद्र गोयल साहब के साथ रहकर नेता बन आज कुछ ऐसे बड़े नेता हैं।

मनीष चौधरी कालीरमन
भाईसाहब सामान्य कार्यकर्ता का काम पार्टी का झंडा उठाना है न कि नेताओं को घर बुलाना।

आशा सिंह
सामान्य कार्यकर्ता बड़े नेता का लाव लश्कर (साथ में चलने वाली भीड़)को कैसे संभाल पाएगा इसीलिए कोई भी नेता छोटे कार्यकर्ता को परेशान नहीं करना चाहता है।

इंदू तोमर
सुधीर जी मैं आपसे सहमत हूं यह कुर्सी ही ऐसी बनी है बैठता नहीं है इंसान चिपक जाता।

सोनू भाटी
बड़े नेता छोटे कार्यकर्ता के घर इसलिए नहीं जाते क्योंकि वो अपनी बेइज्जती महसूस करते हैं। कुछ नेताओं में जातिवाद कूट कूट कर भरा हुआ है इसलिए वो छोटे कार्यकर्ताओं के यहां नहीं जाते। इन नेताओं को आलिशान बंगले वाले लोग पसंद हैं और किसी गरीब छोटे कार्यकर्ताओं की शादी हो तो भी नहीं जाते। ये शादी में भी उनकी जाते है जो आलिशान शादी होती हैं मगर इन्हें ये नहीं पता के यही छोटे कार्यकर्ता आप सबको चुनाव में जिताकर ले जाते है जिस दिन इन नेताओं ने ये तय कर लिया कि में सभी कार्यकर्ताओं को एक सामान मानूंगा।

आशीष चंदेल
क्योंकि वहां शो ऑफ कम होता है ये ही हाल आज कल समाजसेवियों का वे भी वही शिरकत करते हैं जहां हवा बाजी होती है बस बाप बड़ा न भैया सबसे बड़ा रुपया।

परमजीत सिंह
छोटा कार्यकर्ता एक साधारण सा इंसान होता है उनके यहां जाने से क्या होगा जाओ या ना जाओ क्या फर्क पड़ता है। भाटी जी आप ने बहुत अच्छा प्रश्न पूछा है बड़े नेतृत्व से दिल की बात की है।

ठाकुर अनुज राघव
आपकी कलम ही कार्यकर्ता की बुलंद आवाज बन रही है। आपका धन्यवाद।

नरेश कश्यप
बहुत गंभीर विषय है आम कार्यकर्ता के यहां बड़े नेता इसलिए नहीं जाते क्योंकि उनको वहां से कुछ मिलने वाला तो है नहीं।

अक्षय वीर
क्योंकि सामान्य कार्य ना करना उन्हीं के मन में उनको बड़ा बनाता है। बड़े-बड़े नेता वाली फीलिंग ही बड़े लोगों से मिलने में आती है।

रजनी ढोंढियाल
जिनकी वजह से बने हैं उनका निरादर ही 5 वर्षों बाद डूब ले जाता हैं हा हा हा कोई तो हटकर करो राजनीति भीड़ बस चले चलो।

सुधीर चौधरी जाट
मैं सुधीर चौधरी भारतीय जनता पार्टी का 20 सालों से भाजपा कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रहा हूं सक्रिय रूप से भारतीय जनता पार्टी में मेरा पूरा परिवार कार्य कर रहा है राष्ट्रीय स्वयं संघ में भी मेरा पूरा परिवार है विभिन्न पदों पर रहा हूं लेकिन आज तक मेरे घर पर विधायक अध्यक्ष सांसद कोई नहीं आया क्योंकि मैं गरीब कार्य करता हूं ना वह कार्यकर्ता हूं जिसने इन सबको कुर्सी पर बैठा है जिसने इनको केंद्र में उत्तर प्रदेश में सरकार बनाई मैं वह कार्य करता हूं।

रंजना अग्रवाल
नेता तो नेताओं के घर जाते हैं सर।

अंकुश अरोड़ा
क्योंकि सामान्य कार्यकर्ता किराए के मकान में रहता है, उसका अपना घर प्रधानमंत्री आवास योजना में भी नहीं बन पाता है।

आकाश जैन
सामान्य कार्यकर्ता का महत्व बढ़ जाएगा इसलिए नहीं जाते।

विकास सिंह महरौली
भैया जी बड़े आदमी थोड़ा बिजी होते हैं तो इस लिए नहीं जा पाते होंगे।

हैदर मलिक
जी बिल्कुल सही कहा भाटी जी आपने काफी बार कहीं वरिष्ठ नेताओं को बुलाया भी तो इंकार कर दिया। बोल दिया गया कि बेटा अगली बार अगली बार दीपक भाटी।

अजय चोपड़ा
ऐसी बात नहीं है कि सभी नेता एक से नहीं होते हैं। कुछ नेता जमीन से जुड़े हुए होते हैं और कार्यकर्ता का दर्द पहचानते हैं। और उनके हर सुख-दुख में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। उनमें एक नाम शहर विधायक संजीव शर्मा जी का है। मैं समझता हूं कि यह वह नाम है जो हर कार्यकर्ता के साथ अपना भावनात्मक रिश्ता जोड़कर रखते हैं दिन हो या देर रात्रि तक हमेशा अपने छोटे से छोटे कार्यकर्ता का फोन उठाकर उनकी समस्या का समाधान करते हैं। अभी 4 दिन पहले ही एक पार्षद ने पोस्ट की थी कि ऐसे विधायक बहुत कम है जो मध्य रात्रि में भी फोन उठाकर कार्यकर्ता की बात सुनते हैं।

मनवीर सिंह
वर्तमान के नेता और जनप्रतिनिधि जमीन से जुड़े हुए नहीं है यह वह लोग हैं जो अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए राजनीति में आए हैं इसलिए साधारण कार्यकर्ता के घर नहीं जाते बात सच है मगर बहुत कड़वी है आज सिर्फ केवल राजनीतिक दिखाओ और छलावा है कार्यकर्ता जमीन नहीं चाटुकार चाहिए।

हिमांशु पराशर
हमारे शहर विधायक संजीव शर्मा जी हर छोटे से छोटे कार्यकर्ता के लिये उपलब्ध रहते हैं जब भी वो बुलाता है वहाँ पर जाते भी है यही उनकी विशेषता है।

शौकत कुरैशी
भाई साहब सादर प्रणाम माननीय भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वर्तमान में केंद्र सरकार में रक्षा मंत्री आदरणीय श्री राजनाथ सिंह मेरे यहां तीन-तीन बार आए हैं मुझ जैसे छोटे कार्यकर्ता के लिए यह बड़ा महत्व रखता है।

विश्वास त्यागी
सामान्य कार्यकर्ता मतलब दरी-कुर्सी बिछाने वाला, पोस्टर होल्डिंग लगाने वाला, नारे लगाने वाला होता है। अगर इनके घर बड़े नेता जाने लगे तो फिर यह काम कौन करेगा।

अरुण भड़ाना
बड़े नेता यदि कार्यकर्ता के यहां जाएंगे तो वह कार्यकर्ता उनके स्वागत अभिनंदन में अपनी जान लगा देगा और जब कार्यकर्ताओं को पब्लिक के काम करवाने नेता के यहां जाएंगे तो मजबूरन उन्हें काम करवाना पड़ेगा लेकिन नेता चाहते है कि कार्यकर्ता के घर जाएंगे तो कार्यकर्ता नेता बन जाएगा और हरेक नेता सिर्फ कुछ लिमिटेड लोगों को ही नेता के रूप में देखना चाहते है, और भाजपा गाजियाबाद में तो गुटबाजी चरम पर है जिसके चलते आम कार्यकर्ता काफी अपमानित और परेशानी झेलता है।

अमित राष्ट्रवादी
सामान्य कार्यकर्ता के घर जाकर भी आखिर क्या हासिल होगा ज्यादा से ज्यादा एक दो फोटो ज्यादा खींच जाएगी बस। लेकिन मेरा मानना है सामान्य कार्यकर्ता का जो भी काम हो उसके एक कहने पर उसका काम हो जाना चाहिए और उसका सम्मान होना चाहिए।

वीरूशर्मा
एक बड़े नेता जो एक गरीब से गरीब कार्यकर्ता के घर भी हो आते हैं जिन्हें हम प्यार से विधायक संजीव शर्मा कहते हैं।

अमित प्रताप
भारतीय जनता पार्टी जिस संगठन का मैं हिस्सा हूं उस संगठन में ऐसा नहीं होता। हमारे दल में सभी कार्यकर्ता हैं और सभी एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए सबके यहां आते जाते हैं चाहे माननीय मंत्री हो सांसद हो अथवा विधायक हों।

महकार कसाना
भाटी जी, प्रणाम श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर की हार्दिक शुभकामनाएं बड़ा नेता मंत्री, सासंद, विधायक उस कार्यकर्ता के घर जाता है या उस सामान्य कार्यकर्ता से ताल्लुक रखता है जो आर्थिक रूप से मजबूत होता है बिल्डर अवैध निर्माण कर्ता हो। अवैध कॉलोनाइजर हो, घोड़े गाड़ी वाला हो, व्यापारी के घर जाता है जिसे उसे अपने साथ संबंध जोड़ने पर आर्थिक लाभ चुनावी चंदा सहयोग की प्रबल संभावना हो सामान्य आर्थिक रूप से कमजोर कार्यकर्ता से उसे कुछ नहीं मिलने वाला यही आज की राजनीति भी नेता का सूत्रधार है। आप एक निर्भीक, साहसी सूझबूझ बुद्धिमान सुलझे हुए वरिष्ठ पत्रकार हैं जितने बड़े नेता को आप जानते हैं उतने ही आप उनके सहयोगी कार्यकर्ताओं के कार्य व्यापार, पेशा के बारे में भी जानते हैं।

सुभाष चंद गौतम
जिन कार्यकर्ताओं का प्रभाव और पैसा होता है बड़े नेता उनके पास ही जाते हैं।

विकास डागर
अब नेताओं की क्या बात करें यह सब नेता तो हमारे आदरणीय हैं। पर आप जैसे बड़े पत्रकार, वह भी तो घर नहीं आते।

संदीप शर्मा
बहुत ही अच्छा सवाल दीपक भाई आपको जानकारी के लिए बता दूं मैं या किसी ने भी शहर विधायक बड़े भाई मनाने संजीव शर्मा को अपने घर पर बुलाया तो संजीव भैया तुरंत अपनी डायरी में नोट करके समय अनुसार उसके घर भी जाते हैं उसको यह लगता है कि अब से पहले हम लोग कभी किसी विधायक या संसद से आसानी से नहीं मिल पाए थे लेकिन आज संजीव भैया के विधायक बनने से लाइन पास क्षेत्र में खुशी का माहौल है और ईश्वर से सदैव प्रार्थना है कि हमें सदैव संजीव शर्मा जैसा विधायक हमेशा मिले ईश्वर उन्हें स्वस्थ रखे। संजीव शर्मा जिंदाबाद। संजीव शर्मा जैसा विधायक गाजियाबाद को आज तक नहीं मिला यह मैं और पूरा क्षेत्र कह सकता है क्योंकि लोगों की समस्याओं का समाधान तुरंत होता है।

अकरम खान
सब जाते हैं बस बुलाने वाले का भाव होना चाहिए। ऐसी बात नहीं है कि सभी नेता एक से नही होते हैं। कुछ नेता जमीन से जुड़े हुए होते हैं और कार्यकर्ता का दर्द पहचानते हैं। और उनके हर सुख-दुख में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। ऐसी बात नहीं है हमारे यहाँ तो सब आते हैं।

गगन सिंह अरोड़ा
मैंने ज़िंदगी में पहली बार देखा जब प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी जी और महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल जी, सचिन डेढ़ा भाई के यहाँ गए हाल चाल पूछने, देखकर अच्छा लगा।

कपिल धामा
जाते हैं ना चुनाव आयेंगे तब जाएंगे फिर उनका फोन नहीं उठाएंगे।

प्राची शर्मा
अभी तक मैंने अपने घर पर किसी को निमंत्रण नहीं दिया है जिस दिन बड़े विधायक या कोई भी बड़ा कार्यकर्ता को बुलाऊंगा उसे दिन पता चलेगा वह मेरे घर आते हैं हां नहीं।

पवन शर्मा
दीपक भाई हमारे यशस्वी विधायक श्री संजीव शर्मा जी हर किसी कार्यकर्ता के घर आते हैं उनके सुख-दुख में शामिल होते हैं विधायक जी हर कार्यकर्ता को अपना मानते हैं विधायक जी हर कार्यकर्ता के लिए 24 घंटे तैयार रहते हैं माननीय विधायक संजीव शर्मा जी जिंदाबाद।

रोहित पंडित
गाजियाबाद शहर विधानसभा के यशस्वी विधायक श्री संजीव शर्मा जी ऐसे जनप्रतिनिधि हैं जिनका अपने एक एक कार्यकर्ता से परिचय है और यह परिचय परिचय तक ही सीमित नहीं है वह कार्यकर्ताओं के घर तक जा चुके हैं और उस कार्यकर्ता के परिवार के परिजनों से अपने परिवार की तरह मिलते है सभी कार्यकर्ताओ के सुख-दु:ख में उनकी उपस्थिति हमेशा रहती है सभी कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहते हैं और सुबह-शाम जनता दरबार चलता है और उनका फोन हमेशा सभी के लिए उपलब्ध रहता है और विधायक जी की अनुपस्थिति में भी क्षेत्र की जनता के काम नहीं रुकते व लगातार फोन के माध्यम से भी सदैव सभी की सेवा मे दिन-रात रहते हैं यह हमारा सौभाग्य है कि हमें ऐसे विधायक मिले हैं।

अजय राजपूत
बड़े भाई भाटी जी अब मैं कह नहीं सकता पर जब तक मैं भाजपा में वार्ड अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष महानगर संयोजक और प्रतिनिधि रहा तब तक जिस कार्यकर्ता ने जब भी बुलाया जिस नेता को चाहा वो नेता हर उस कार्यकर्ता के घर गया। लाइनपार क्षेत्र को 2012 से पहले अछूत समझा जाता था। कोई नेता आने को तैयार नहीं होता था पर जब मैं पदाधिकारी बना उसके बाद अपने देखा ही है कि लाइन पर क्षेत्र में भाजपा का बोलबाला हो गया है। मुझे नहीं लगता कि कोई कार्यकर्ता वर्तमान विधायक या सासंद जी को बुलाए और ये ना जाए ये जरूर जाते हैं। मैं खुद साक्ष्य हूं जब मैं एक वार्ड अध्यक्ष था तो मा0 राजनाथ सिंह जी जो उस समय राष्ट्रध्यक्ष ओर सासंद गाजियाबाद होते थे मेरे घर आए थे और सड़क के किनारे मैने कार्यक्रम किया था तो उस कार्यक्रम में आकर मान बढ़ाया था इसी प्रकार उनका बेटा पंकज सिंह जी भी कई बार आए और अशोक मोंगा जी महानगर अध्यक्ष होते थे मेरे साथ मार्टसेकल पर बैठ कर कार्यकर्ताओं के घर जाते थे ऐसे बहुत बड़े नाम है जो आज राष्ट्रीय राजनीति में है पर लाइनपार क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के घर खूब आते जाते थे बड़े भाई इसमें नेताओं की गलती के साथ जो उनके साथ पदभार लेकर रहते है उनकी जिम्मेदारी नेताओं से ज्यादा बनती है वो नेताओं को कार्यकर्ताओं के घर लेकर जाए पर देखने को मिलता है कि नेताओं से ज्यादा वर्चस्व साथियों का है बाकी आप सब समझते है आप सब देखते आए है।

सुदर्शन पंडित
बड़े नेता नहीं जानते कि छोटे कार्यकर्ता किन परिस्थितियों से गुजर कर उनके लिए रास्ते बनाते हैं सच तो ये है कि एक बार जनप्रतिनिधि बनते ही कार्यकर्ताओं के फोन काल भी नहीं उठाए जाते है सच यही है जो चापलूसी करते हैं उनकी बात अलग है। आपका बहुत बहुत धन्यवाद कि आप कार्यकर्ताओं के बारे में इतना रुचि ले रहे हैं वरना पत्रकार कहा किसी कार्यकर्ता की बात करते है इसीलिए आप सभी के प्रिय हैं।

सुनीता चौहान
बिल्कुल सही का विनोद चौधरी भैया जी आपने इलेक्शन के टाइम पर ही बड़े नेताओं को कार्यकर्ता की याद आती है वरना कहीं मिल जाए तो पहचानते भी नहीं है।

प्रदीप चौधरी
बड़ा नेता और कार्यकर्ता का रिश्ता ही संगठन की आत्मा है। भाटी जी, संगठन की परंपरा यही है कि सुख-दुख में और संगठन की शक्ति प्रदर्शन के लिए नेता सबसे छोटे कार्यकर्ता तक भी पहुँचते हैं। 2012 में बिना सूचना श्री स्वतंत्र देव सिंह जी और मंत्री श्री वीरेंद्र सिरोही जी मेरे घर आए थे, और इसका मार्ग अध्यक्ष श्री अशोक मोंगा जी ने बनाया था। नेता राष्ट्रीय हों या स्थानीय—कार्यकर्ता बड़ा हो या छोटा—संगठन में सब तक पहुँचना तय है, यही हमारी असली ताकत है।

विनय चौधरी
कार्यकर्ता केवल पार्टी का काम करने के लिए है। उसे इन सब बातों से मतलब नहीं होता। कोई सम्मान दे दे तो ठीक नही तो भी ठीक यदि कार्यकर्ता की बराबरी बड़े नेताओं और जनप्रतिनिधियों से होती है। तो हम केवल 4 वोट से पार्षद चुनाव में शहीद नगर जैसे क्षेत्र से पराजित होने पर केशव प्रसाद मौर्य जी की तरह नामित होने चाहिए। 25 वर्षों से हम अपने मोर्चे पर अडिग खड़े हैं। घर आयो या मत आयो पर समय पर अपने कार्यकर्ताओं के काम आये। आपने सभी कार्यकर्ताओं के मन के विचार सुने उसके लिए आपका हृदय से आभार आदरणीय दीपक भाटी जी मेरी बात कही किसी को गलत लगी हो तो उसके लिए क्षमा चाहता हूं।

देवेन्द्र पायल
मुरादनगर में कौन सा कार्यकर्त्ता है जिसने बड़े भाई अजित पाल त्यागी जी को बुलाया हो और वह नहीं गए हों। अभी 2 साल पहले की ही बात है मैंने भाई के पास कॉल की भैय्या प्रसाद वितरण का कार्यक्रम है। आप मात्र 10 मिनट के लिए आ जाओ जवाब मिला नहीं गाजियाबाद में जगन्नाथ यात्रा है मुरादनगर में पहले से ही बहुत प्रोग्राम है। आज समय नहीं है फिर कभी आ जाऊंगा मेने गुस्से मे कॉल काट दी करीब 30 मिनट बाद आये भी और 45 मिनट तक रुके भी ऐसे है हमारे नेता बड़े भाई अजित पाल त्यागी जी।

संजय शर्मा
आपकी बातों में दो बात हैं एक तो समान्य कार्यकर्ता अमीर भी हो सकता है और गरीब भी........लेकिन अब नेताओं का लाव लश्कर ही इतना बड़ा होता है कि गरीब कार्यकर्ता के यहाँ जाना मतलब उसके हजार 2 हजार ठंडे हो जाना... दूसरी बात सारे नेता एक जैसे नहीं है कुछ जाते है कुछ नहीं भी जाते।

एडवोकेट महिम गुप्ता
दीपक भाई साहब कभी कभी मेरे दिल में ये ख्याल आता है कि कैसे शहर विधायक संजीव शर्मा जी छोटे से छोटे कार्यकर्ता के घर मात्र एक बार कह भर देने से दोड़े चले जाते हैं वह यह भी नहीं देखते सोचते की उसका घर कहाँ है गाड़ी पहुँच भी पायेगी या नहीं, जाना है तो बस जाना है चाहे फिर रास्ता पैदल ही नापना पड़े। शहर विधानसभा के हर कार्यकर्ता को अपने परिवार की तरह मानने वाले ऐसे शहर विधायक।

पवन शर्मा
गाजियाबाद के लोकप्रिय विधायक श्री संजीव शर्मा जी छोटे से कार्यकर्ता के यहां तो जाते ही हैं। आम व्यक्ति के हमेशा सुख-दुख में खड़े होते हैं और सबका सम्मान करते हैं।

संजीव वाल्मीकि
अभी तक तो माननीय विधायक संजीव शर्मा जी सब के यहां आते जाते है पर मुझको डर ये है कि कही आने वाले समय मै वो भी ना बदल जाय अभी तक तो वो ही नंबर 1 पर हैं।

ब्रजेश कुमार मिश्रा
शहर विधायक संजीव शर्मा जी ऐसे जनप्रतिनिधि में हैं जो हर सामान्य से सामान्य व्यक्ति के यहां जाते है उनके मन में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं है। ऐसा छोटा सा कार्यकर्ता मैं भी हूं जिसके यहां मा0 विधायक जी ने अपना कदम आवास पर रखा।

हेमन्त जोशी
भैया एक नेता हैं जो अपने महानगर कार्यकाल से लेकर विधायक बनने तक अपने पूरे कार्यकाल में हजारों सामान्य कार्यकर्ताओं के घर पहुंचे हैं उनका नाम है संजीव शर्मा कआज भी अगर कोई कार्यकर्ता उन्हें दुख सुख में याद करते हैं तो वो जरूर पहुंचते हैं।

साहिल ठाकुर
जितना मैंने समझा है बड़े नेता जाना चाहते हैं पर वहाँ के बड़े लोकल नेता जाने नहीं देते।

सिमल शर्मा
आदरणीय विधायक श्री संजीव शर्मा जी एक ऐसे नेता विधायक हैं जो हर एक कार्यकर्ता का सम्मान करते हैं। हर किसी भी कार्यकर्ता के घर जाते हे बहुत ही सम्मान करते हे ओर छोटे से छोटे कार्यकर्ता को गले से लगाते हे हमेशा कार्यकर्ता की ध्यान से सुनते हे कभी भी मिलने को कहो तो तुरंत मिलने को कहते हे ऐसे हे हमारे विधायक संजीव शर्मा जी।

गौरव बंसल
छोटे कार्यकर्ता के यहां जब जाते हैं जब चुनाव होता है वोट मांगने का समय आता है , केवल जब ही वो कार्यकर्ता याद आते हैं।

नकुल अरोड़ा
शहर गाजियाबाद के यशस्वी विधायक बड़े भाई साहब संजीव शर्मा जी हर छोटे बड़े कार्यकर्ता के सुख दुख में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होते है एक आवाज पर घर तक जाते है बुखार के चलते भी मेरे घर तक आए थे आधी रात को फोन उठाकर समस्या का समाधान कराते हैं।

धर्मेन्द्र चौधरी
गाजियाबाद के लोकप्रिय विधायक आदरणीय बड़े भैया संजीव शर्मा जी ऐसे जनप्रतिनिधि हैं जो हर सामान्य से सामान्य के व्यक्ति के यहां जाते हैं उनके मन में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं है।

भूषण शर्मा
आपको बता दूं भाटी जी आजकल पुराने कार्यकर्ता को नजर अंदाज करने का रिवाज भी है अपनी टीम बनाओ पुराने को हटाओ। ये अपने इस बार मंडल अध्यक्ष वाले समय पर देखा भी होगा। चमचों का जमाना है भाई कार्यकर्ता कुछ नहीं है जो जितने स्टाइल से उठाते हैं बड़े तो बहुत नेता है मगर जमीन से जुड़े हुए नेता कम है जो जमीन से जुड़े है वो सबका सम्मान करते है और जाते हैं जैसे विधायक संजीव शर्मा इसलिए वो अलग पहचान रखते है शहर में अपनी।

अनुपम शर्मा
भैया मैं भी एक समान्य कार्यकर्ता हूं आदरणीय सांसद भाईसाहब अतुल गर्ग जी आदरणीय विधायक संजीव शर्मा जी कोई भी कार्यक्रम होता है क्षेत्र में जहां हम बुलाते हैं वहीं आते है मेरे घर भी आये है।

विनोद चौधरी गुर्जर
इलेक्शन के समय ही नेताओं को सामान्य कार्यकर्ता की याद जरूर आती है।

तनुज गम्भीर
सब संबंध पर निर्भर करता है। कई ऐसे राजनेता हैं जो कार्यकर्ता के आमंत्रण को स्वीकार करते है और जाते भी है। पांचों उंगली एक बराबर नहीं होतीं।

प्रीति चौबे
बिलकुल सही ख़्याल आता है।

मीना भंडारी
भाटी जी क्योंकि आजकल एडवांस चलता है।

कमरुद्दीन सैफी
बिल्कुल जाते हैं भाई।

युग छाबड़ा
माननीय शहर विधायक संजीव शर्मा जी ज़िंदाबाद।

अजय कुमार गुलिया
जरूरत भी क्या है समान्य कार्यकर्ता के घर जाने की वो कहा से लायेगा इनके लिए हल्दीराम की मिठाई ड्रीफरूईटस कम से कम 5000 का सौदा चाहिये वो सामान्य कार्यकर्ता दो पैसा कमा ले तो इन नेताओ के दर्द हो जाता है।

संजीव वाल्मीकि
अभी तक तो बस संजीव शर्मा जी ही ऐसे विधायक है जो हर छोटे बड़े कार्यकर्ता के घर जाते है भाटी जी बाकी तो जो बड़े नेता है वो कुछ ज्यादा ही बड़े बन गए क्योंकि मुझको याद है जब वो सांसदी के चुनाव से पहले वाले विधायकी के चुनाव लड़े थे तो हमने उनको जितने से दो दिन पहले अपने घर बुलाया था और वो उस वक्त आए भी थे सुबह की चाय पर बाद मै उनके जितने के बाद जब मैं उनको बधाई देने गया तो वो मुझसे कहते है अरे तुम तो वो ही बाल्मीकि हो ना जिनके घर पर ऊंचे ऊंचे टाइल लगे हुए थे। तभी से मै सोचता हूं उन्होंने तारीफ की थी या ताना मारा था।

अभिषेक पंडित
बड़े नेता छोटे गली वार्ड के नेताओं या कार्यकर्ताओं के यहां इसलिए नहीं जाते हैं क्योंकि वहां बड़े नेताओं के हिसाब से रहन-सहन की सुविधा नहीं मिलेगी हो सकता है एयर कंडीशनर भी ना हो और गली मोहल्ले में नाली पानी खड़ंजे की भी व्यवस्था बेकार है छोटी जगह होगी हो सकता है कुछ मोहल्ले वासियों का विरोध भी झेलना पड़े क्योंकि काम तो करते नहीं है वार्डों में मोहल्ले में तो शिकायत तो पब्लिक को होगी अगर ऐसे में वहां जाएंगे तो सुना भी बहुत कुछ पड़ेगा जिस पर वह बड़े नेता समस्याओं का निस्तारण कर नहीं पाएंगे यह छोटे नेताओं कार्यकर्ताओं के यहां जाने से बड़े नेता अक्सर अक्सर जाने से बचते आए हैं और भी बहुत सारे कारण होते हैं आप जानते हैं सब कुछ बहुत अच्छी तरह!

भाई रविंद्र गोस्वामी
बहुत ही अच्छा टॉपिक है भाटी जी।

अजय टंडन
जाता है भाई जी चुनाव में वोट मांगने।

प्रेमप्रकाश चिन्नी भाई
दीपक भाटी जी आपने बहुत अच्छा टॉपिक चुना है। हर कोई नेता सुरेंद्र गोयल जैसा नहीं बन सकता है। पहले नेता कार्यकर्ता के पास जाते थे और वोट मांगते थे। वर्तमान बड़े नेता कहते हैं आपके वोट से हम नहीं जीते तो वह कार्यकरता के घर क्यों जाएंगे। कार्यकर्ता के घर बड़ा नेता जाएगा तो बड़ा नेता क्यों कहलाएगा। आजकल बड़ा नेता उसे यूज एंड थ्रो करता है। कार्यकर्ता के घर जाना तो बहुत बड़ी बात है आजकल के नेता और प्रतिनिधि किसी की नमस्ते लेना हाथ मिलाना और उसके साथ फोटो खिंचवाना भी उचित नहीं समझते केवल एक या दो नेता इस अपवाद इससे बाहर हैं। आजकल जो अपने आप को नेता समझते हैं वह पहले कार्यकर्ता हुए करता थे और सुरेंद्र गोयल साहब के साथ रहकर नेता बन आज कुछ ऐसे बड़े नेता हैं।

मनीष चौधरी कालीरमन
भाईसाहब सामान्य कार्यकर्ता का काम पार्टी का झंडा उठाना है न कि नेताओं को घर बुलाना।

संजय यादव
इसलिए नहीं जाता क्योंकि वहां बैग भरके पैसा नहीं मिलता फ्री फंड में बड़े नेता किसके यहां नहीं जाते।

आशा सिंह
सामान्य कार्यकर्ता बड़े नेता का लाव लश्कर (साथ में चलने वाली भीड़)को कैसे संभाल पाएगा इसीलिए कोई भी नेता छोटे कार्यकर्ता को परेशान नहीं करना चाहता है।

प्रवीण राघव
आपके मन में जो ख्याल आता है वह सच्चाई जागरूक करता है।

विवेक तोमर
ये बात...इसे कहते हैं दमदार सवाल।

आशा पंवार
जाता है भाई साहब जब चुनाव आते हैं तो वोट मांगने जाता है।

कृष्ण पाल टुन्नू
शत प्रतिशत सही।

फिल्मी सितारों सहित शहर के गणमान्य लोगों ने दिया समरकूल के बेबी बॉस इवान गुप्ता को आशीर्वाद

गाजियाबाद, करंट क्राइम। समरकूल ग्रुप के चेयरमैन और वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव कुमार गुप्ता के पौत्र और समरकूल के डायरेक्टर आशुतोष गुप्ता और प्रियंका गुप्ता के पुत्र इवान गुप्ता के नामकरण संस्कार के उपलक्ष्य में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में आशीर्वाद देने के लिए वॉलीवुड के सितारे शक्ति कपूर, चंकी पाण्डेय, जय विजय साचान, सोनिया कौर, सोफी चौधरी, गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग, पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, महापौर सुनीता दयाल, विधायक अजीतपाल त्यागी, संजीव शर्मा, दिनेश गोयल, पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी, पूर्व महापौर आशा शर्मा, आशु वर्मा, पूर्व महानगर अध्यक्ष अशोक मोंगा, अजय शर्मा, पूर्व विधायक जितेंद्र यादव, चेयरमैन विभू बंसल, वरिष्ठ भाजपा नेता पृथ्वी सिंह कसाना, पवन गोयल, अतुल जैन, प्रवीण चौधरी, जगदीश साधना, राजेन्द्र मित्तल मेदी वाले, सौरभ जायसवाल, अनुज मित्तल, संजीव मित्तल, अनिल अग्रवाल सांवरिया, पप्पू पहलवान, कुलदीप चौहान, बोबी त्यागी, राहुल गोयल, प्रदीप चौधरी, विनीत शर्मा, विरेंद्र सारस्वत, नीरज त्यागी, के डी त्यागी, वेद प्रकाश गुप्ता खादी वाले, भानु प्रताप, वरिष्ठ पत्रकार अशोक ओझा, मनोज गुप्ता, सलामत मियां, राजकुमार राणा, दीपक भाटी, तोषीक कर्दम, पंकज ठाकुर, नरेश सिंघानिया, दिनेश सिंघल, व्यापारी नेता मुकुंद मिश्रा, सुबोध गुप्ता, अशोक छाबड़ा, बाल किशन बालू भाई, राजू छाबड़ा, इंद्रजीत सिंह टीटू, राहुल यादव तथा गुप्ता परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई किया

नई दिल्ली। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग 2025 फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। यह मुकाबला स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में 27 और 28 अगस्त को होगा। गत विश्व चैंपियन नीरज ने 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया डायमंड लीग मीट में हिस्सा नहीं लिया था और उनके 22 अगस्त को ब्रसेल्स में होने वाले अगले डायमंड लीग चरण में हिस्सा लेने की भी जानकारी नहीं है।

तालिका में तीसरे स्थान पर मौजूद नीरज

हालांकि, इससे कोई फर्क नही पड़ता है कि वह ब्रसेल्स में हिस्सा लेंगे या नहीं क्योंकि नीरज ने सिलेसिया चरण के बाद जारी नवीनतम तालिका के हिसाब से डायमंड लीग फाइनल के लिए जगह पक्की कर ली है। नीरज ने दो डायमंड लीग मीट में हिस्सा लिया और वह 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। नीरज एक चरण में शीर्ष पर रहे थे, जबकि एक अन्य डायमंड लीग मीट में दूसरे स्थान पर थे। नीरज से आगे 17 अंक लेकर केशोर्न वालकॉट और 15 अंकों के साथ जूलियन वेबर हैं। ब्रसेल्स चरण के बाद तालिका में शीर्ष छह पर रहने वाले एथलीट ज्यूरिख में होने वाले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगे।

इस सीजन बेहतरीन रहा है नीरज का प्रदर्शन

नीरज ने आखिरी बार पांच जुलाई को बंगलूरू में हुए नीरज चोपड़ा क्लासिक में हिस्सा लिया था जहां उन्होंने 86.18 मीटर का थ्रो कर खिताब जीता था। नीरज के लिए यह सीजन अब तक शानदार रहा है क्योंकि उन्होंने मई में दोहा डायमंड लीग में बहुप्रतिक्षित 90 मीटर का आंकड़ा पार कर लिया था। उन्होंने 90.23 मीटर का अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका था और वह वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। इसके बाद नीरज ने जून में पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर का थ्रो कर पहला स्थान प्राप्त किया था। नीरज 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाले विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे।

खेल प्रशासन में शीर्ष पद के लिए पात्रता नियम में बदलाव
पीटी उषा-कल्याण चौबे को हो सकता है फायदा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महासंघों में शीर्ष पद के लिए खेल मंत्रालय पात्रता नियमों में बदलाव करने जा रहा है। युवा प्रशासकों और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ऐसा किया जा रहा है। अभी शीर्ष पदों के लिए दो कार्यकाल की पात्रता निर्धारित है, लेकिन अब यह एक कार्यकाल तक सीमित हो जाएगी। इस बदलाव से भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की वर्तमान अध्यक्ष पीटी उषा और भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के प्रमुख कल्याण चौबे के लिए दोबारा चुनाव लड़ने का रास्ता भी साफ हो सकता है।

खेल विधेयक को अधिनियम बनने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार

हाल ही में संसद के दोनों सदनों से राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक पारित हुआ था और इस विधेयक को औपचारिक रूप से एक अधिनियम बनने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार है। इस विधेयक में राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) में अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष के पदों के लिए चुनाव लड़ने हेतु मानदंड निर्धारित किए गए हैं। शीर्ष तीन पदों के लिए इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए मूल रूप से कार्यकारी समिति में दो कार्यकाल अनिवार्य थे। सभी हितधारकों के साथ परामर्श के बाद इसमें संशोधन कर इसे न्यूनतम एक कार्यकाल तक सीमित कर दिया गया है। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि यह बदलाव प्रशासकों का एक बड़ा प्रतिस्पर्धी क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक संतुलन बनाता है। उन्होंने तर्क दिया, महासंघों के चुनावों में दावेदारी पेश करने के लिए न्यूनतम पूर्व कार्यकाल की शर्त को कम करने का निर्णय योग्य और सक्षम उम्मीदवारों के विकल्प को व्यापक बनाने के लिये लिया गया। इसमें यह भी सुनिश्चित किया गया कि उनके पास प्रभावी ढंग से सेवा करने के लिए पर्याप्त अनुभव हो। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा और एआईएफएफ प्रमुख कल्याण चौबे ने अपने-अपने निकायों की कार्यकारी समितियों में एक-एक कार्यकाल पूरा किया है। अब अगर उषा और चौबे चाहें तो दोबारा चुनाव लड़ सकेंगे। संशोधित प्रावधान राज्य निकायों के अध्यक्षों, सचिवों और कोषाध्यक्षों के लिए भी राष्ट्रीय खेल संघों में नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए दावा करने का रास्ता बनाता है, जिससे चुनाव के समय प्रतिस्पर्धा का दायरा बढ़ेगा। मंत्री ने कहा कि कार्यकारी समिति में न्यूनतम कार्यकाल की आवश्यकता को कम करने से यह सुनिश्चित होगा कि निरंतरता और अनुभव के सिद्धांतों से समझौता किए बिना व्यापक प्रतिभा उपलब्ध हो सके।

'हम जीतकर लौटेंगे', एशिया कप से पहले बांग्लादेशी बल्लेबाज के बड़े बोले, खिताबी जीत का दावा किया

ढाका। बांग्लादेश के बल्लेबाज जाकिर अली अनिक ने एशिया कप 2025 से पहले खिताबी जीत को लेकर बड़ा दावा किया है। उनका मानना है कि बांग्लादेश की टीम इस बार टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम करके लौटेगी। बता दें कि, एशिया कप का आगाज नौ सितंबर से होगा जबकि 28 सितंबर को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

इससे पहले बांग्लादेश के मध्य क्रम के बल्लेबाज जाकिर अली ने कहा कि ड्रेसिंग रूम का माहौल सकारात्मक है। उन्होंने कहा, 'इस बार हम एशिया कप में चैंपियन बनने के लक्ष्य के साथ जा रहे हैं। निजी तौर पर, मैं कह सकता हूं कि मैं वहां सिर्फ चैंपियनशिप जीतने जा रहा हूं और ड्रेसिंग रूम में भी सभी को यही विश्वास है। खासकर अभी जो माहौल है और जिस तरह से सभी लोग मेहनत कर रहे हैं, उसे देखते हुए हम सभी को विश्वास है कि इस बार हम चैंपियन बनेंगे।' बांग्लादेश को ग्रुप बी में श्रीलंका, हांगकांग और ओमान के साथ रखा गया है। बांग्लादेश अपने अभियान की शुरूआत 9 सितंबर को अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में हांगकांग के खिलाफ करेगा।

27 वर्षीय बल्लेबाज जाकिर ने कहा है कि उनकी टीम आगामी टूर्नामेंट में किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में नहीं लेगी और अपने अंदाज में क्रिकेट खेलते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर ध्यान देगी। जाकिर ने अब तक 33 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 571 रन बनाए हैं, उनका औसत 27.19 है और सर्वाधिक स्कोर नाबाद 72 रहा है। उन्होंने कहा, 'किसी भी टीम को हल्के में लेने का सवाल ही नहीं उठता। हमारा मानना है कि हमारा प्लान हमेशा एक जैसा रहेगा। जिस तरह हम अपनी शैली में क्रिकेट खेलते हैं, उसी अंदाज में हर टीम के खिलाफ उतरेंगे। हम उसी हिसाब से तैयारी करेंगे ताकि मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर सकें।'

पूर्व कप्तान श्रीकांत ने की 14 वर्षीय खिलाड़ी को टीम में शामिल करने की मांग

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान क्रिस श्रीकांत ने 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल करने की मांग की है। उनका मानना है कि वैभव को टीम में शामिल करके चयनकर्ता अगले टी20 विश्व कप के लिए टीम तैयार कर सकते हैं। बता दें कि, एशिया कप का आगाज नौ सितंबर से यूएई में होगा। भारत को पाकिस्तान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। दोनों टीमों के बीच 14 सितंबर को महामुकाबला खेला जाएगा। आगामी टूर्नामेंट के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) 19 अगस्त यानी मंगलवार को टीम की घोषणा कर सकता है।

कब होगी एशिया कप के लिए टीम की घोषणा?

एशिया कप के लिए अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति भारतीय टीम की मंगलवार को घोषणा हो सकती है। टीम चयन से पहले बल्लेबाजी क्रम को लेकर कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। शीर्ष क्रम पर अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने अपने आक्रामक अंदाज से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। वहीं, यशस्वी जायसवाल भी दावेदारी में हैं। मौजूदा ऑरेंज कैप विजेता साई सुदर्शन का नाम भी चयन चर्चा में शामिल है। इस दौरान श्रीकांत ने संजू सैमसन के टीम में चयन पर संशय जताया। हालांकि, उन्होंने वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और अभिषेक शर्मा को टीम में शामिल करने की वकालत की। उन्होंने कहा, 'मेरे अनुसार सैमसन पर संदेह है। मेरी पहली पसंद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा हैं, इसमें कोई शक नहीं। मेरे पास दो और सलामी बल्लेबाज होंगे। मैं वैभव सूर्यवंशी या साईं सुदर्शन में से किसी एक को चुनूंगा और शुभमन गिल भी एक विकल्प हो सकते हैं। अगर मैं चयनकर्ता होता तो वैभव को टी20 विश्व कप के लिए 15 खिलाड़ियों में रखता। उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। मुझे लगता है कि यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी और साईं सुदर्शन में से किसी एक को चुनना चाहिए। मैं इन तीनों में से दो को चुनूंगा। यही मेरी प्राथमिकता होगी।'

श्रीकांत ने की वैभव को टीम में शामिल करने की मांग

इस बीच राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन कर चयनकताओं का ध्यान खींचा। उन्होंने सिर्फ सात मैचों में 252 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 200 से भी ज्यादा का रहा। गुजरात टाइटंस के खिलाफ उन्होंने मात्र 35 गेंदों में शतक ठोककर आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक जमाया। ऐसे में टीम इंडिया के एशिया कप स्क्वॉड के लिए शीर्ष क्रम में जगह बनाने की जंग बेहद रोमांचक होती जा रही है। अपने इस फॉर्म को 14 वर्षीय बल्लेबाज ने इंग्लैंड दौरे पर जारी रखा। अंडर-19 टीम के खिलाफ खेलते हुए वैभव ने शानदार शतक जड़ा। श्रीकांत ने एक यूट्यूब शो में कहा, 'आपको निडर होकर खेलना होगा। उसे इंतजार मत करवाइए। 'उसे परिपक्व होने दीजिए' जैसी बातें मत कहिए। वह पहले से ही उल्लेखनीय परिपक्वता के साथ खेल रहा है। उसकी शॉट-मेकिंग एक अलग ही स्तर की है। अगर मैं चेयरमैन होता, तो मैं उसे जरूर 16 खिलाड़ियों में शामिल करता।'

एशिया कप के लिए टीम चयन से पहले सरफराज खान का धमाका, शतक के साथ चयनकर्ताओं को भेजा खास संदेश

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 की शुरूआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। मंगलवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) भारतीय टीम की घोषणा कर सकता है। इससे पहले युवा बल्लेबाज सरफराज खान ने शानदार शतकीय पारी खेलकर चयनकताओं के लिए खास संदेश भेजा है।

138 रनों की तूफानी पारी खेलकर लौटे सरफराज

दाएं हाथ के बल्लेबाज सरफराज इन दिनों मुंबई के लिए बूची बाबू टूर्नामेंट में खेलते नजर आ रहे हैं। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे 27 वर्षीय बल्लेबाज ने महज 92 गेंदों में शानदार शतक पूरा किया। तमिलनाडु की टीम के खिलाफ खेलते हुए सरफराज ने 114 गेंदों में 10 चौके और छह छक्के की मदद से 138 रन बनाए। वह रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे। अपनी इस पारी के साथ सरफराज ने एशिया कप के लिए टीम इंडिया का दरवाजा खटखटाया है। सरफराज पिछले कई वर्षों से रणजी ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए टेस्ट डेब्यू भी किया था, लेकिन उन्हें हालिया इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में जगह नहीं मिली। सरफराज खान ने भारत के लिए अब तक कुल छह टेस्ट खेले हैं, जिसकी 11 पारियों में उन्होंने तीन अर्धशतक और एक शतक की मदद से 371 रन बनाए हैं। सफराज के अगर प्रथम श्रेणी करियर की बात करें तो उन्होंने 55 मैचों में 65.98 की औसत से 4685 रन बनाए हैं। सरफराज के नाम प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 16 शतक और 15 अर्धशतक हैं।

टूर्नामेंट का मेजबान बीसीसीआई

पुरुष क्रिकेट टीम के बीच होने वाला एशिया कप नौ से 28 सितंबर तक होगा। बीसीसीआई इस टूर्नामेंट का मेजबान है। टूर्नामेंट का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में इसलिए हो रहा है, क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव के कारण दोनों देशों ने 2027 तक केवल तटस्थ स्थानों पर ही मैच खेलने पर आपसी सहमति जताई है। इसी के तहत इसी साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी का मेजबान पाकिस्तान था, पर भारत ने सारे मुकाबले दुबई में खेले थे और चैंपियनशिप अपने नाम की थी।

सीएएफए नेशंस कप राष्ट्रीय शिविर के लिए क्यों नहीं चुने गए सुनील छेत्री? कोच खालिद ने दिया जवाब

नई दिल्ली। भारत के नवनियुक्त मुख्य कोच खालिद जमील ने रविवार को करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री के सीएएफए नेशंस कप राष्ट्रीय शिविर से बाहर होने पर कहा कि यह अक्तूबर में होने वाले एशियाई कप क्वालिफाइंग दौर के अहम मैचों के लिए महज तैयारी टूर्नामेंट है। इस महीने की शुरूआत में मनोलो मार्केज की जगह भारत के मुख्य कोच बने जमील ने शुक्रवार को ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान में होने वाले आगामी सीएएफए नेशंस कप के लिए 35 संभावित खिलाड़ियों की सूची जारी की जिसमें छेत्री का नाम शामिल नहीं है।

क्या बोले जमील?

जमील ने ज्यादा कुछ नहीं कहा, लेकिन यह स्पष्ट कर दिया कि छेत्री के नौ अक्तूबर (विदेश में) और 14 अक्तूबर (घरेलू) को सिंगापुर के खिलाफ एशियाई कप क्वालिफाइंग दौर के मैचों के लिए राष्ट्रीय टीम में शामिल होने की उम्मीद है। जमील ने राष्ट्रीय शिविर के दूसरे दिन कहा, 'वह (छेत्री) इस शिविर में नहीं हैं क्योंकि हम एक टूर्नामेंट खेल रहे हैं जो अनिवार्य रूप से हमारे एशियाई कप क्वालिफायर की तैयारी का काम करेगा। मैं इस फीफा विंडो के दौरान कुछ अन्य खिलाड़ियों को भी आजमाना चाहता हूं। मैंने उनसे इस बारे में बात की थी। टीम में उनके जैसे खिलाड़ी का होना हमेशा खुशी की बात होती है और उनके लिए दरवाजे हमेशा खुले हैं। सुनील भारतीय फुटबॉल के दिग्गज हैं। मैं उनके खिलाफ खेला हूं, मैंने उन्हें कई मौकों पर खेलते देखा है और वह मेरे पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक हैं। वह भारतीय फुटबॉल के लिए एक आदर्श हैं।'

राष्ट्रीय शिविर में 22 खिलाड़ी कर रहे ट्रेनिंग

राष्ट्रीय शिविर शनिवार को शुरू हुआ जिसमें 22 खिलाड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं जबकि बचे हुए 13 अन्य डूरंड कप के लिए क्लबों को अपनी सेवाएं दे रहे हैं और जल्द ही शिविर से जुड़ेंगे। सीएएफए नेशंस कप 48 वर्षीय जमील का पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा और उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट उनकी टीम के लिए बेहतरीन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ खेलने का एक अच्छा मौका होगा। जमील ने आगे कहा, 'यह नेशंस कप में भारत की पहली भागीदारी होगी और यह हमारे लिए ताजिकिस्तान और ईरान जैसे मजबूत और बेहतरीन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ खेलने का एक अच्छा अवसर होगा। यह निश्चित रूप से एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर की तैयारी के लिए हमारे लिए फायदेमंद होगा।'

एशिया कप में बांग्लादेश ले सकता है पाकिस्तान की जगह, अगले कुछ दिनों में होगा अंतिम फैसला

मुंबई। हॉकी पुरुष एशिया कप में बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान की जगह ले सकती है। यह टूर्नामेंट 29 अगस्त से बिहार के राजगीर में होना है और अगर पाकिस्तान ने अगले कुछ दिनों में इसमें भाग लेने की पुष्टि नहीं की तो बांग्लादेश को उसकी जगह शामिल किया जाएगा। भारत सरकार पहले ही कह चुकी है कि वह पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा देगी, लेकिन पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर यात्रा करने से मना कर दिया है।

अगले दो दिन में स्थिति होगी स्पष्ट

आयोजकों ने आठ टीमों के टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह भरने के लिए बांग्लादेश से संपर्क किया है, लेकिन हॉकी इंडिया ने कहा कि अगले 48 घंटों में वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। हॉकी इंडिया के अधिकारी ने कहा, भारत सरकार पहले ही कह चुकी है कि वह पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा देने को तैयार है, लेकिन अगर वे भारत नहीं आना चाहते तो यह हमारी समस्या नहीं है। अगर पाकिस्तान नहीं आता है तो बांग्लादेश को पहले ही भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जा चुका है, लेकिन हमें पुष्टि के लिए दो दिन और इंतजार करना होगा। न तो पाकिस्तान और ना ही बांग्लादेश ने अभी तक हमें इसकी पुष्टि की है। लेकिन बांग्लादेश पाकिस्तान की जगह ले सकता है।

ये टीमें एशिया कप में लेंगी हिस्सा

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के साथ सैन्य टकराव के बाद एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी अनिश्चित हो गई थी। एशिया कप 2026 में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट भी है। मेजबान भारत के अलावा, एशिया कप में भाग लेने वाली अन्य टीमें चीन, जापान, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, ओमान और चीनी ताइपे हैं।

'भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होगा, ये मेरा दावा है'
इस पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने मुकाबले पर दिया बयान

नई दिल्ली। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को दुबई में मुकाबला खेला जाना है, लेकिन इन दो चिर प्रतिद्वंद्वियों के बीच मुकाबले को लेकर बयानबाजी जारी है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच रिश्ते गर्म चल रहे हैं, ऐसे में भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर तरह-तरह की अटकलें चल रही हैं। इस मामले पर अब भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज केदार जाधव ने बड़ा बयान दिया है।

भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर उठा था विवाद

पहलगाम हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर नाम से सैन्य अभियान चलाया था। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप में मुकाबला होने की खबर से देश में विवाद हुआ था और कई क्रिकेट फैंस ने इस फैसले पर सवाल खड़े किए थे। भारत के पूर्व बल्लेबाज और अब भाजपा नेता केदार जाधव ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि भारतीय टीम 14 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच में नहीं खेलेगी।

विश्व चैंपियनशिप लीग में भारत ने पाकिस्तान का किया था बहिष्कार

जाधव ने कहा, 'मुझे लगता है कि भारत को नहीं खेलना चाहिए। जहां तक भारत का सवाल है, भारत जब भी खेला है उसे हमेशा जीत मिली है, लेकिन यह मैच (पाकिस्तान के साथ) नहीं खेला जाना चाहिए। ये मैच बिलकुल नहीं खेलना चाहिए और खेलेगा भी नहीं ये मैं दावे के साथ कह सकता हूं।' पिछले महीने युवराज सिंह की अगुआई वाली इंडिया चैंपियंस टीम ने विश्व चैंपियनशिप लीग में पाकिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार किया था। भारत ने ग्रुप चरण के बाद सेमीफाइनल में भी पाकिस्तान के साथ नहीं खेलने का फैसला किया था जिससे पाकिस्तान की टीम फाइनल में पहुंची थी जहां उसे दक्षिण अफ्रीका ने हराया था।

एशिया कप का आयोजन नौ से 28 सितंबर तक यूएई में होना है। भारतीय टीम एशिया कप में अपने अभियान की शुरूआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगी। इसके बाद 14 सितंबर को उसका मैच पाकिस्तान के साथ होगा और फिर ग्रुप चरण में उसका आखिरी मुकाबला 19 सितंबर को ओमान से खेला जाएगा। बीसीसीआई इस टूर्नामेंट का मेजबान है। टूर्नामेंट का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में इसलिए हो रहा है, क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव के कारण दोनों देशों ने 2027 तक केवल तटस्थ स्थानों पर ही मैच खेलने पर आपसी सहमति जताई है। इसी के तहत इसी साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी का मेजबान पाकिस्तान था, पर भारत ने सारे मुकाबले दुबई में खेले थे और चैंपियनशिप अपने नाम की थी।

हिंदू कुश हिमालय पर मंडराया संकट, सम्मेलन में नेपाल के राष्ट्रपति ने मांगा सहयोग, जुटे 200 प्रतिनिधि

काठमांडू में सोमवार को नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने कहा कि हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र जलवायु परिवर्तन, जैवविविधता की हानि और वायु प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन संकटों से निपटने के लिए क्षेत्रीय सहयोग ही एकमात्र रास्ता है

काठमांडू। राष्ट्रपति पौडेल ने दो दिवसीय हिंदू कुश हिमालय सांसद सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए इसे भविष्य के लिए मजबूत रोडमैप और साझा प्रतिबद्धता की शुरूआत बताया।

इस उच्चस्तरीय सम्मेलन में अफगानिस्तान से लेकर म्यांमार तक फैले 3,500 किलोमीटर लंबे हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र के करीब 200 प्रतिनिधि जुटे। इनमें सांसद, नीति निमार्ता, पर्यावरण वैज्ञानिक, जलवायु विशेषज्ञ और मीडिया प्रतिनिधि शामिल थे। उद्देश्य था आपसी सहयोग से जलवायु संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों का हल निकालना। राष्ट्रपति पौडेल ने कहा कि सांसदों का सहयोग, दूरदर्शिता और एकजुटता इन संकटों से निपटने के लिए बेहद जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय संस्था आईसीआईएमओडी के महानिदेशक पेमा ग्यात्सो ने बताया कि हिंदू कुश हिमालय बहु-खतरों का केंद्र

बनता जा रहा है। यहां भौगोलिक, जलविज्ञानी और जलवायु संबंधी जोखिम तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने चिंता जताई कि पहाड़ी पारिस्थितिक तंत्र वैश्विक स्तर पर कम प्रतिनिधित्व पाते हैं। अंतरराष्ट्रीय जलवायु नीतियां और योजनाएं अक्सर इन क्षेत्रों की चुनौतियों को नजरअंदाज कर देती हैं, जिससे इनके संरक्षण और विकास पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता।सहयोग पर जोर संसद की कृषि, सहकारिता और प्राकृतिक संसाधन समिति की अध्यक्ष कुसुम देवी थापा ने कहा कि इस संकट से निपटने के लिए विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका का सहयोग जरूरी है। इसके साथ ही मीडिया, वैज्ञानिक समुदाय और विकास भागीदारों की भूमिका भी अहम है। नेपाल के विदेश मंत्री अजुर्ना राणा देउबा, पर्यावरण मंत्री ऐन बहादुर शाही ठाकुरी और सांसद बीर बहादुर बलायर ने भी क्षेत्रीय सहयोग और उच्च राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता पर बल दिया।

चर्चाएं और नतीजे बैठक में तीन पैनल चर्चाएं हुईं जैवविविधता संरक्षण, हिंदू कुश हिमालय का भविष्य और जलवायु आपदाओं से निपटने में सांसदों की भूमिका।

चीन में गूंजी विकसित भारत की गूंज, ग्वांगझू में भारत के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर हुई संगोष्ठी

बीजिंग । भारतीय वाणिज्य दूतावास ग्वांगझू ने रविवार को चीन के तकनीकी केंद्र शेनझेन में एआई फॉर एस्पिरेशनल इंडिया (आकांक्षी भारत के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता) विषय पर संगोष्ठी आयोजित की। यह कार्यक्रम स्वतंत्रता दिवस के 79वें समारोह के तहत आयोजित किया गया।

यह संगोष्ठी दक्षिण चीन में भारतीय पेशेवरों के मंच, फोरम ऑफ इंडिया प्रोफेशनल्स इन साउथ चाइना (एफआईपीएससी) के सहयोग से आयोजित की गई। इसका उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत बनाने और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नवाचारी रणनीतियों पर विचार करना था।

भारतीय वाणिज्य दूत ने दी प्रस्तुती

भारतीय वाणिज्य दूत शंभू हक्की ने भारत सरकार की एआई संबंधी पहलों पर प्रस्तुति दी। उन्होंने इंडिया एआई मिशन की जानकारी दी, जो सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में रणनीतिक कार्यक्रमों के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देता है।

हक्की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डबल एआई की परिकल्पना को भी विस्तार से समझाया और एफआईपीएससी सदस्यों से सस्ते एआई उपकरणों के विकास में सहयोग का आग्रह किया। एफआईपीएससी के कई सदस्यों ने एमएसएमई, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई के उपयोग पर प्रस्तुति दी और भारतीय उद्यमियों के लिए व्यापार अवसरों पर सुझाव दिए।

दीर्घकालिक सीजफायर पर बात करेंगे इस्राइल अमेरिका, लेबनान बोला- हिजबुल्ला हथियार डालेगा

बेयरूत । अमेरिका के विशेष दूत टॉम बैरक ने कहा है कि उनकी टीम इस्राइल के साथ लंबी अवधि के लिए संघर्ष विराम पर बातचीत करेगी। यह कदम लेबनान द्वारा हिजबुल्ला को हथियार छोड़ने के अमेरिकी समर्थित योजना को मंजूरी देने के बाद आया है। बैरक ने लेबनानी राष्ट्रपति जोसेफ औन से मुलाकात के बाद यह जानकारी दी। अमेरिका अब युद्ध के बाद देश की आर्थिक पुनर्निर्माण योजना पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

बैरेक ने कहा कि लेबनानी सरकार ने अपना काम पूरा कर लिया है और अब इस्राइल की ओर से भी समान कदम उठाने की आवश्यकता है। इस बीच, हिजबुल्ला और उसके सहयोगी समूह इससे नाराज हैं। उनका कहना है कि इस्राइल को पहले दक्षिण लेबनान में कब्जा किए पांच पहाड़ी क्षेत्रों से पीछे हटना चाहिए और लगातार होने वाली हवाई हमलों

को बंद करना चाहिए। हिजबुल्ला के महासचिव नैम कासेम ने हथियार छोड़ने के प्रयासों का विरोध किया है, जिससे देश में गृह संघर्ष का खतरा बढ़ गया है।

लेबनानी सरकार की योजना और तैयारी राष्ट्रपति औन और प्रधानमंत्री नवाफ सलाम हिजबुल्ला और अन्य गैर-राज्य सशस्त्र समूहों को हथियार छोड़ने के पक्ष में हैं। उन्होंने इस्राइल से हमलों को रोकने और अपने देश से पीछे हटने की मांग की है। औन ने लेबनानी सेना के लिए फंड बढ़ाने की योजना भी बनाई है, ताकि सेना की क्षमता मजबूत हो सके। इसके अलावा, वह अंतरराष्ट्रीय दाताओं से धन जुटाकर देश के पुनर्निर्माण की योजना पर भी काम कर रहे हैं।

आर्थिक नुकसान और चुनौती विश्व बैंक के अनुमान के अनुसार, हिजबुल्ला और इस्राइल के बीच 2024 के युद्ध में लेबनान को लगभग 11.1 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ। देश के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में भारी तबाही हुई। इसके साथ ही, 2019 से चल रही आर्थिक मंदी ने लेबनान को गंभीर संकट में डाल दिया है।

रूस से तेल खरीदने के लिए चीन पर टैरिफ नहीं लगाया गया, अमेरिकी विदेश मंत्री ने बताई चौंकाने वाली वजह

वॉशिंगटन । रूस से तेल खरीदने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिनों भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया था, जिसके बाद भारत पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया है। वहीं चीन को छूट दी गई है। अब अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने इसकी वजह का खुलासा किया है। मार्को रूबियो ने बताया कि चीन, रूसी तेल को रिफाइन करके उसे यूरोपीय देशों को बेच रहा है।

मार्को रूबियो ने कच्चे तेल की कीमतों का दिया हवाला एक इंटरव्यू के दौरान मार्को रूबियो से पूछा गया कि ट्रंप प्रशासन ने रूस से तेल खरीदने के लिए चीन को टैरिफ से छूट क्यों दी है, जबकि भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया गया है? इस पर रूबियो ने

चौंकाने वाला जवाब दिया। रूबियो ने कहा कि 'अगर आप देखें तो चीन जो कच्चा तेल रूस से खरीद रहा है, वो उसे रिफाइन करके वापस यूरोपीय देशों को बेच रहा है।' रूबियो ने कहा अगर हम चीन पर प्रतिबंध लगाते हैं तो इससे वैश्विक तेल कीमतों पर बुरा प्रभाव पड़ेगा और तेल की कीमतें पूरी दुनिया में बढ़ सकती हैं। रूबियो ने कहा कि चीन पर संभावित प्रतिबंध को लेकर यूरोपीय देशों ने भी निराशा जाहिर की है। मार्को रूबियो ने भारत-पाकिस्तान संघर्षविराम पर भी बात की। उन्होंने कहा कि अमेरिका हर दिन भारत और पाकिस्तान के बीच हालात पर नजर रख रहा है, क्योंकि दोनों देशों के बीच हुआ संघर्षविराम कभी भी टूट सकता है। उन्होंने कहा कि युद्धविराम तभी संभव होता है जब दोनों पक्ष रुकने पर सहमत हों, लेकिन उसे बनाए रखना बेहद मुश्किल होता है। रूबियो ने कहा कि 'हम भारत-पाकिस्तान और कंबोडिया-थाईलैंड जैसे देशों के बीच हालात पर हर दिन नजर रखते हैं। साढ़े तीन साल से चल रहे यूक्रेन युद्ध की तरह, युद्धविराम बहुत जल्दी टूट सकते हैं। लेकिन हमारा लक्ष्य सिर्फ अस्थायी शांति नहीं, बल्कि एक स्थायी शांति समझौता है ताकि भविष्य में भी युद्ध न हो।'

आईडीएफ नौ देशों के साथ मिलकर गाजा में एयरड्रॉप की मदद

गाजा। इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने गाजा के लोगों के लिए 161 खाने के पैकैट हवाई मार्ग से गिराए। आईडीएफ ने यह मदद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), जॉर्डन, बेल्जियम, फ्रांस, इटली, नीदरलैंड, डेनमार्क और इंडोनेशिया के साथ मिलकर की।

एक्स पर एक पोस्ट में आईडीएफ ने लिखा, नौ देशों के साथ मिलकर गाजा के लोगों के लिए 161 खाने के पैकेट एयड्रॉप किए गए। यह काम संयुक्त अब अमीरात, जॉर्डन, जर्मनी, बेल्जियम, फ्रांस, इटली, नीदरलैंड, डेनमार्क और इंडोनेशिया के साथ मिलकर किया गया है। इस पूरे अभियान की अगुवाई उस इस्राइली सरकारी विभाग ने की, जो यहूदा, सामरिया और गाजा पट्टी के लिए जिम्मेदार है।

वहीं, अल जजीरा की रिपोर्ट के

मुताबिक, इस्राइल के गाजा सिटी पर हो रहे हमलों की वजह से हजारों भूखे फलस्तीनी एक बार फिर पलायन करने के लिए मजबूर हो रहे हैं। गाजा सिटी के जैतून, सबरा, रेमाल और तुफ्फाह इलाकों पर बीते कुछ दिनों में भारी बमबारी हुई है। संयुक्त राष्ट्र के मानवतावादी मामलों के समन्वयक कार्यालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि इस्राइल की योजना लोगों को जबरन दक्षिण गाजा भेजने की है, जिससे उनकी परेशानियां और बढ़ेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, हजारों परिवार जैतून से पलायन कर चुके हैं।

म्यांमार में 28 दिसंबर से शुरू होगा मतदान

म्यांमार की सेना-नियुक्त चुनाव आयोग ने सोमवार को घोषणा की कि देश में बहुप्रतीक्षित चुनाव 28 दिसंबर से शुरू होंगे। यह फैसला उस समय आया है जब देश में 2021 में सेना द्वारा सत्ता हथियाने के बाद से लगातार संघर्ष और गृहयुद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है। आलोचक पहले ही कह चुके हैं कि यह चुनाव महज एक दिखावा होंगे, जिनका उद्देश्य सेना की सत्ता पर कब्जे को वैध ठहराना है

बैंकॉक । चुनाव आयोग का एलान चुनाव आयोग ने बयान जारी कर कहा कि चुनाव कई चरणों में कराए जाएंगे और विस्तृत कार्यक्रम जल्द जारी किया जाएगा। आयोग ने पहले ही घोषणा कर दी है कि देश के सभी 330 टाउनशिप को निर्वाचन क्षेत्र बनाया गया है। अब तक करीब 60 राजनीतिक दल पंजीकृत हो चुके हैं। इनमें सेना-समर्थित यूनियन सॉलिडेरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी भी शामिल है।

चुनाव पर उठ रहे सवाल बड़ा सवाल यह है कि मतदान कैसे होगा, क्योंकि देश के कई हिस्सों पर सेना का नियंत्रण नहीं है। वहां लोकतंत्र समर्थक प्रतिरोध बल और जातीय अल्पसंख्यक विद्रोही काबिज हैं। इन इलाकों में चुनाव कराना लगभग असंभव माना जा रहा है। कई विपक्षी संगठनों और सशस्त्र प्रतिरोध समूहों ने एलान किया है कि वे इस चुनाव को विफल करने की कोशिश करेंगे। पिछले महीने सैन्य सरकार ने नया कानून बनाया जिसके तहत चुनाव का

विरोध करने या उसे बाधित करने वालों को मृत्युदंड तक की सजा दी जा सकती है। आलोचकों का कहना है कि जब न मीडिया स्वतंत्र है, न विपक्षी नेता आजाद हैं, तो यह चुनाव कभी भी स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं हो सकते। 2020 में हुए आम चुनाव में आंग सान सू की की नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) ने भारी जीत दर्ज की थी। लेकिन सेना ने फरवरी 2021 में सत्ता पलट दी और सू की की सरकार को हटा दिया। 80 वर्षीय सू की को सेना ने कई मुकदमों में दोषी ठहराकर कुल 27 साल की कैद की सजा दी है। उनकी पार्टी को भी भंग कर दिया गया है। सेना ने सत्ता हथियाने का औचित्य 2020 के चुनावों में कथित धांधली बताकर पेश किया, जबकि स्वतंत्र पर्यवेक्षकों को कोई बड़ा गड़बड़ नहीं मिला था।

युद्ध और असुरक्षा की चुनौती

वर्तमान में देश का आधे से भी कम हिस्सा सेना के नियंत्रण में है। कई जगहों पर गृहयुद्ध जैसी स्थिति है। सेना चुनाव से पहले विद्रोहियों से कब्जा छुड़ाने के लिए जमीन और हवाई हमले तेज कर रही है। पिछले कुछ हफ्तों में लगातार हवाई हमलों में आम नागरिक बड़ी संख्या में मारे गए हैं।

17 अगस्त (रविवार)- कायाह (करैनी) राज्य के मावची कस्बे के एक अस्पताल पर बमबारी की गई, जिसमें कम से कम 24 लोग मारे गए और कई घायल हुए।

अफगानिस्तान पर ईरान की कार्रवाई, बिना दस्तावेज रह रहे 20 लाख अफगानी प्रवासी तेहरान से होंगे निर्वासित

तेहरान । अफगानिस्तान पर ईरान ने बड़ी कार्रवाई की है। ईरान ने बिना कानूनी दस्तावेज के देश में रह रहे 20 लाख अफगानी प्रवासियों को निर्वासित करने की योजना की घोषणा की है। ईरान ने कहा कि निर्वासन प्रक्रिया कानून के तहत और मानवीय गरिमा के सम्मान के साथ की जाएगी। ईरान के गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी ने कहा कि जिन अफगान नागरिकों के पास कानूनी दस्तावेज नहीं हैं, उन्हें वापस भेजने के लिए एक नया कार्यक्रम चल रहा है।

मोमेनी ने कहा कि लगभग 20 लाख अफगान नागरिकों को उनके देश वापस भेजा जाएगा। पहले चरण में उन अफगानी प्रवासियों पर ध्यान दिया जाएगा जो बिना उचित कानूनी अनुमति के ईरान में प्रवेश कर गए हैं। इतने बड़े समुदाय के प्रबंधन के लिए सहयोग की आवश्यकता है।

मौजूदा समय में 60 लाख से अधिक अफगानी ईरान में रहते हैं।

मंत्री ने कहा कि इस कदम को अप्रवासियों को निशाना बनाने के रूप में गलत नहीं समझा जाना चाहिए। यह पहल अप्रवासी-विरोधी नहीं है। हर देश के विदेशी नागरिकों से संबंधित अपने कानून और नियम होते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रवासन संगठन इस प्रक्रिया की निगरानी करेगा। वह सुनिश्चित करेगा कि सभी वापसी कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से और मानवीय गरिमा के सम्मान के साथ की जाए। उन्होंने कहा कि अधिकांश अफगान नागरिकों के खुरासान रजावी सीमा के रास्ते जाने की उम्मीद है, जो दोनों देशों के बीच एक लंबे समय से चली आ रही सीमा है।

पाकिस्तान ने किया अफगानियों का निर्वासनः इससे पहले पाकिस्तान ने अफगान प्रवासियों के लिए निर्वासन अभियान शुरू किया था। हाल ही में 11 अगस्त को लगभग 300 परिवारों और 350 कैदियों को एक ही दिन में तोरखम सीमा के रास्ते जबरन निर्वासित कर दिया गया। तोरखम में प्रवासी परिवहन प्रमुख बख्त जमाल गोहर ने कहा कि पाकिस्तानी पक्ष ने हमें 350 कैदी सौंपे हैं, जिनमें निर्वासितों के 20 परिवार शामिल हैं और जिनके पास कानूनी दस्तावेज भी हैं। इन प्रवासियों और निर्वासितों को परिवहन समिति द्वारा उनके संबंधित क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दिया गया है।

सुरक्षा गारंटी मिलने की बात से जेलेंस्की खुश मैक्रों बोले- यूक्रेन को छोड़ने होंगे हारे हुए इलाके

कीव । यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की सोमवार को वॉशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात से पहले जेलेंस्की ने यूरोपीय देशों के नेताओं से बात की। इस बातचीत के बाद जेलेंस्की ने अमेरिका द्वारा सुरक्षा गारंटी दिए जाने के फैसले पर खुशी जाहिर की। साथ ही जेलेंस्की ने शांति समझौते के लिए अमेरिका, रूस और यूक्रेन का एक त्रि-स्तरीय ढांचा बनाने की अपील की, ताकि विभिन्न मुद्दों पर सहमति बन सके।

सुरक्षा गारंटी देने के अमेरिकी फैसले से जेलेंस्की खुश जेलेंस्की ने कहा कि 'सभी ने इस बात का समर्थन किया है कि अहम मुद्दों को सुलझाने के लिए यूक्रेन को सीधे तौर पर बातचीत में शामिल करना चाहिए।' सोशल मीडिया पर साझा

एक पोस्ट में जेलेंस्की ने कहा कि 'अमेरिका द्वारा यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देने का फैसला ऐतिहासिक है। हालांकि यह व्यवहारिक होना चाहिए और इससे यूक्रेन को जमीन के साथ ही वायु और समुद्र में भी सुरक्षा मिलनी चाहिए। साथ ही इसमें यूरोप को भी शामिल किया जाना चाहिए।' जेलेंस्की ने यूरोपीय नेताओं से ये भी अपील की कि वे 2022 की तरह ही एकजुट रहें। उन्होंने कहा कि असल शांति के लिए यूरोप का एकजुट रहना जरूरी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष सलाहकार स्टीव विटकॉफ ने दावा किया है कि अलास्का में हुई बैठक में रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी अमेरिका द्वारा यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी दिए जाने की बात पर सहमत दिखे।

रूस ने भी मांगी सुरक्षा गारंटी वहीं रूस ने कहा है कि जिस तरह से यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी दी जा रही है, उसी तरह से पश्चिमी देश रूस को भी सुरक्षा गारंटी दें। रूस के यूएन में स्थायी प्रतिनिधि विएना मिखाइल उलेनोव ने कहा कि कई यूरोपीय नेता शांति समझौते के तहत यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी दिए जाने के पक्ष में हैं। रूस इससे सहमत है, लेकिन रूस का भी ये अधिकार है कि उसे भी सुरक्षा गारंटी मिलनी चाहिए